Follow us on :

bharatbhaskar.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

भारत भास्कर

हर खबर का असर

डाक पंजीयन - छ.ग. / रायपुर संभाग / 58 / 2021-2023

वर्ष : 15 ● अंक-225 ● रायपुर, गुरुवार 14 सितम्बर 2023 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य-2 रूपये ● रायपुर, नागपुर, भोपाल, लखनऊ एवं दिल्ली से प्रकाशित ● RNI-CHHHIN/2009/29179

सूर्योदय 6.22
सूर्यास्त 5.38
भाद्रपद कृष्ण पक्ष
पक्ष-अमावस्या

दिशा दर्शन भ्रमण कार्यक्रम के तहत जिले के एस एच जी समूह ने जबलपुर का किया भ्रमण

3

विश्रामपुर के विद्यालयों द्वारा संयुक्त रूप से निकाली गई मतदाता जागरूकता रैली

5

पाटन क्षेत्र से चुनाव मैं नहीं क्षेत्र की जनता लड़ रही है : विजय बघेल

7

सुविचार

कंधे इतने मजबूत हो कि मुश्किलों को झेलने पर मजबूर ना हो पाए।
-स्वदेश तिवारी

पहला कॉलम

गुरुग्राम में शख्स ने इंस्टाग्राम पर लाइव आकर की आत्महत्या

गुरुग्राम। गुरुग्राम सेक्टर-38 के एक गेस्ट हाउस में 28 वर्षीय एक व्यक्ति ने सोशल नेटवर्किंग साइट इंस्टाग्राम पर लाइव आकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान हिसार के बरवाला के मूल निवासी विक्रम के रूप में हुई है, जो परिवार के साथ गुरुग्राम के राजेंद्र पार्क थाना क्षेत्र में रहता था। बताया जा रहा है कि वह रविवार शाम को अपना जन्मदिन मनाने के लिए हिमाचल प्रदेश के मंडी की रहने वाली एक महिला मित्र के साथ सेक्टर 38 स्थित गेस्ट हाउस में गया था। वे रात भर गेस्ट हाउस में रुके। सोमवार को करीब 2:30 बजे महिला वहां से चेकआउट कर गई।। लेकिन, विक्रम गेस्ट हाउस में ही रुका रहा। पुलिस ने बताया कि सोमवार को विक्रम ने इंस्टाग्राम पर लाइव आकर आत्महत्या कर ली। जब महिला ने पोस्ट देखी तो उसने तुरंत गेस्ट हाउस के कर्मचारियों को सूचित किया, जिन्होंने पुलिस को बुलाया। पुलिस के मुताबिक, महिला सेक्टर 39 में किराए के मकान में रहती है और गुरुग्राम में एक रियल एस्टेट कंपनी में काम करती है।

मणिपुर में आतंकवादियों ने 3 आदिवासियों की गोली मारकर हत्या की

इंफाल। मणिपुर के कांगपोपकी जिले में आतंकवादियों ने तीन आदिवासी लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मणिपुर की राजधानी इंफाल में अधिकारियों ने कहा कि सशस्त्र चरमपंथियों ने इम्फाल पश्चिम और कांगपोपकी जिलों के सीमावर्ती क्षेत्रों में इरेंग और करम के बीच गांवों पर हमला किया और तीन ग्रामीणों को मौके पर ही गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। चरमपंथी सुबह-सुबह एक वाहन में आदिवासी बहुल गांवों में आए और सुरक्षा बलों के पहुंचने से पहले चले गए। घटना के विस्तृत विवरण की प्रतीक्षा है। 8 और 9 सितंबर को तेंग्नौपाल जिले के पल्लेल में सुरक्षा बलों के साथ झड़प और आतंकवादियों के बीच गोलीबारी में भी तीन लोग मारे गए थे।

निपाह वायरस ने फिर पसारे पैर, केरल में 2 की मौत, जानें क्या हैं लक्षण

नई दिल्ली। केरल में एक बार निपाह वायरस का मामला निकलकर सामने आया जिससे लोगों फिर से निपाह का खौफ फैल गया है। राज्य में दो लोगों की अप्राकृतिक मौत के बाद केरल के स्वास्थ्य विभाग ने निपाह वायरस से संबंधित अलर्ट जारी कर दिया है। ऐसा संदेह जताया जा रहा है कि कोझिकोड जिले में दो अप्राकृतिक मौतों के पीछे निपाह वायरस का ही हाथ हो सकता है। केरल के स्वास्थ्य विभाग ने बीती रात एक बयान जारी करते हुए बताया कि एक निजी अस्पताल से बुखार के बाद दो लोगों की अप्राकृतिक मौत हुई है। ऐसा संदेह है कि इनकी मौत निपाह वायरस के कारण हुई है। राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने इस घटना की सूचना मिलते ही एक उच्चस्तरीय बैठक की।

इनकम टैक्स की 7 जगह पर छापेमारी अखिलेश बोले-सरकार जितनी कमजोर,छापे उतने बढ़ेंगे...

आजम और उनके करीबियों पर यूपी से एमपी तक रेड

रामपुर/ एजेंसी

सपा नेता आजम खान की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। बुधवार को इनकम टैक्स ने आजम और उनके करीबियों पर यूपी से एमपी तक रेड मारी। यूपी के रामपुर में आजम की कोठी पर छापा पड़ा। इसके अलावा मेरठ, गाजियाबाद, सहारनपुर, सीतापुर, लखनऊ में भी रेड पड़ी। वहीं, मध्य प्रदेश के विदिशा जिले में सपा के पूर्व सांसद के घर पर छापेमारी की। यह कार्रवाई मौलाना अली जौहर ट्रस्ट से जुड़ी बताई जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, आजम के जौहर ट्रस्ट के सभी 11 ट्रस्टी के यहां पड़ा छापा है। रामपुर के भाजपा नेता आकाश सक्सेना ने 2019 में इनकम टैक्स विभाग में शिकायत की थी। इसमें कहा था कि ट्रस्ट को 60 करोड़ का डोनेशन देने वाले लोगों ने खुद कभी इनकम टैक्स नहीं भरा है। हालांकि, आयकर विभाग की तरफ से कार्रवाई को लेकर कोई बयान जारी नहीं किया गया है। इधर, इनकम टैक्स के इस एक्शन पर सियासत शुरू हो गई है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार जितनी कमजोर होगी, विपक्ष पर छापे उतने बढ़ते जाएंगे। वहीं, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि किसी को डराने की जरूरत नहीं है। जो भ्रष्ट होगा, वो पकड़ा जाएगा। निर्दोष होगा, तो छूट जाएगा।

आयकर की टीम तड़के आजम के रामपुर स्थित घर पहुंचीं। टीम ने कोठी को कब्जे में ले लिया। बाहर फोर्स तैनात कर दी। किसी को भी अंदर-बाहर नहीं जाने दिया जा रहा है। छापेमारी की खबर सुनकर वहां काफी भीड़ लग गई। हालांकि, पुलिस ने भीड़ को हटा दिया। फिलहाल, खबर है कि छापेमारी के दौरान आजम घर पर ही हैं। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं है। इसके अलावा रामपुर में आजम के करीबी पूर्व विधायक नसीर खान के घर पर भी आयकर का छापा पड़ा है। लखनऊ में आजम खान के वकील मुस्ताक अहमद सिद्दीकी के घर पर इनकम टैक्स की छापेमारी चल रही है। वजीरगंज के बलरामपुर हॉस्पिटल के पास वकील का घर है। यहां भारी मात्रा में पुलिस फोर्स लगाया गया है। टीम के अधिकारी घर के अंदर मौजूद है। वकील सिद्दीकी जौहर यूनिवर्सिटी में उपाध्यक्ष के पद पर तैनात है। वह आजम के बेहद करीबी हैं।

चुनावी साल में मोदी सरकार का बड़ा ऐलान

75 लाख और महिलाओं को फ्री में मिलेगा गैस कनेक्शन-मोदी...

नई दिल्ली/ एजेंसी

आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में केंद्रीय कैबिनेट की बैठक हुई। इस बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए। जिसमें सबसे बड़ा फैसला उज्ज्वला स्कीम से जुड़ा है। मोदी सरकार ने पीएम उज्ज्वला योजना के तहत महिलाओं को 75 लाख नए एलपीजी कनेक्शन देने के लिए सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों को 1650 करोड़ रुपये जारी करने के प्रस्ताव को आज मंजूरी दे दी। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में लिए गए इस निर्णय की जानकारी दी। अनुराग ने कहा आज मीटिंग में मंत्रिमंडल ने उज्ज्वला योजना के तहत 75 लाख नए रसोई गैस कनेक्शन देने पर सहमति जताई। प्रधानमंत्री ने उज्ज्वला योजना की शुरुआत मई, 2016 में की थी। गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले परिवारों की महिलाओं को इस योजना के तहत मुफ्त में एलीपीजी गैस कनेक्शन दिए जाते हैं। 2019 में मोदी सरकार की सत्ता में जो वापसी हुई थी, उसमें इस योजना की भूमिका अहम मानी गई थी। अब फिर चुनावी साल में मोदी सरकार ने इस योजना की दूसरी सीरीज लॉन्च की है। आज की मीटिंग के बाद अनुराग ठाकुर ने बताया -उज्ज्वला योजना के तहत आज तक 9.60 करोड़ एलपीजी सिलेंडर वितरित किए जा चुके हैं और मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि अन्य 75 लाख मुफ्त एलपीजी कनेक्शन दिए जाएंगे ताकि अधिक गरीब और जरूरतमंद महिलाएं इस योजना से लाभान्वित हो सकें। बता दें कि पिछले महीने ही केंद्र सरकार ने 75 लाख नए कनेक्शन का ऐलान किया था। इसके फंड के लिए कैबिनेट की मंजूरी भी मिल गई है। समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट में बताया गया कि केंद्रीय ब्रॉडकास्ट मिनिस्टर अनुराग ठाकुर ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में उज्ज्वला योजना के तहत 75 लाख अतिरिक्त एलपीजी के कनेक्शन देने के फैसले को मंजूरी दी है। पीएम उज्ज्वला योजना के तहत 75 लाख अतिरिक्त कनेक्श बांटे जाने के बाद देश में पीएम उज्ज्वला योजना के तहत आने वाले लाभार्थियों की संख्या 10.35 करोड़ हो जाएगी। पीएम उज्ज्वला योजना के तहत गरीब परिवारों को सरकार की ओर से रियायती दरों पर एलपीजी सिलेंडर दिए जाते हैं।

पीएम मोदी कल करेंगे मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ का दौरा, कई परियोजनाओं करेंगे शिलान्यास

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बृहस्पतिवार को मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ का दौरा करेंगे। इस दौरान, वह दोनों चुनावी राज्यों में 57 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने बुधवार को एक बयान जारी कर बताया कि मध्य प्रदेश में मोदी जहां बीना रिफाइनरी में पेट्रोकेमिकल परिसर सहित 50,700 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं और राज्यभर में 10 नयी औद्योगिक परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। वहीं, छत्तीसगढ़ में वह रेल क्षेत्र की कुछ महत्वपूर्ण परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। पीएमओ ने कहा कि प्रधानमंत्री मध्य प्रदेश में भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के बीना रिफाइनरी में पेट्रोकेमिकल परिसर, नर्मदापुरम में बिजली और नवीकरणीय ऊर्जा विनिर्माण क्षेत्र और रतलाम में मेगा औद्योगिक पार्क की आधारशिला रखेंगे। पीएमओ के अनुसार, इंदौर में प्रधानमंत्री दो आईटी पार्क और राज्यभर में छह नये औद्योगिक पार्क की आधारशिला रखेंगे।

पंजाब में आप की महारैली

केजरीवाल बोले-वन नेशन वन इलेक्शन से देश बर्बाद होगा....

अमृतसर/ एजेंसी

आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को सीएम भगवंत मान के साथ मिलकर अमृतसर में स्कूल ऑफएमिनेंस का उद्घाटन किया। छेहर्टा एमिनेंस स्कूल का दौरा करने के बाद वह रणजीत एवेन्यू रैली स्थल पर पहुंचे। जहां पंजाब में शिक्षा की क्रांति की घोषणा की गई। रैली के दौरान शिक्षा विभाग के साथ बीएसएनएल और आईबीएम का एमओयू साइन किया गया है। शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने घोषणा की कि अब पंजाब के सरकारी स्कूलों के बच्चे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शिक्षा भी हासिल करेंगे। वहीं दिसंबर तक पंजाब का हर स्कूल हाईस्पीड इंटरनेट व वाईफाई के साथ कनेक्ट होगा। अरविंद केजरीवाल ने स्कूल ऑफ एमिनेंस की शुरुआत करने पर सीएम भगवंत मान को बधाई दी। इस दौरान उन्होंने लोगों से वन नेशन वन इलेक्शन का समर्थन ना करने की अपील भी की है। केजरीवाल ने कहा

कि वन नेशन वन इलेक्शन, कभी मत होने देना। ये देश को बर्बाद कर देंगे। नेता चुनाव से डरते हैं, यह चुनाव खत्म करना चाहते हैं। नेता वोट मांगने आता तो चार काम करके जाता है। वन नेशन वन इलेक्शन, साढ़े चार साल दुनिया घूमेंगे और 6 महीने शकल दिखाने आएंगे। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूल ऑफएमिनेंस पंजाब के प्राइवेट स्कूलों से बहुत अच्छा है। आज से पंजाब में सब बदल जाएगा। पेरेंट्स पंजाब में प्राइवेट स्कूल से बच्चों को निकाल इस स्कूल में भेजेंगे। यहां ऑडिटोरियम, जिम, खेल, लाइब्रेरी, लैब सब है। सबसे बड़ी बात, किसी भी सरकारी स्कूल को उठा कर देख लो।

दुबई में ममता की श्रीलंकाई राष्ट्रपति से मुलाकात

सातवें बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट के लिए आमंत्रित किया

कोलकाता/ एजेंसी

पश्चिम बगांल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी 12 दिन के दुबई और स्पेन दौरे पर गई हुई हैं। वहां ममता एक बिजनेस समिट में भाग लेंगी। दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचने पर ममता बनर्जी ने श्रीलंकाई राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे से मुलाकात की। ममता ने विक्रमसिंघे को बंगाल में आयोजित होने वाले ग्लोबल बिजनेस समिट 2023 के लिए आमंत्रित किया। 7वां बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट कोलकाता में 21-23 नवंबर को आयोजित होगा। सीएम ममता बनर्जी ने रानिल विक्रमसिंघे के साथ अपनी मुलाकात को सुखद बताया। बनर्जी ने यह भी कहा कि श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने उन्हें श्रीलंका आने का न्यौता भी दिया। ममता बनर्जी ने एक्स पर पोस्ट शेयर कर कहा कि श्रीलंकाई राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने मुझे दुबई इंटरनेशल एयरपोर्ट के लाउंज में देखा और मुझे बातचीत करने के लिए बुलाया। मैं उनके इस इन्विटेशन से काफी खुश हूं, और मैंने उन्हें कोलकाता में आयोजित होने वाले बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट 2023 का निमंत्रण भी दिया। भारत और श्रीलंका के बीच 2,500 साल से भी पुराने संबंध हैं। दोनों देशों ने बौद्धिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और भाषाई बातचीत के सुधारों पर काम किया है।

बिजनौर में कुएं में फंसे तेंदुए का सुरक्षित रेस्क्यू

बिजनौर। बिजनौर जिले के धामपुर थाना क्षेत्र के खुशहालपुर गांव में 8 घंटे से अधिक समय तक कुएं में फंसे तेंदुए को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। जिला वन अधिकारी (डीएफओ) अरुण कुमार ने बताया कि बिजनौर वन विभाग के दल ने यह सफल बचाव अभियान चलाया। तेंदुआ एक नर है, जिसकी उम्र करीब दो साल है। सुबह करीब नौ बजे धामपुर थाना क्षेत्र के खुशहालपुर गांव के लोगों ने गांव के बाहर एक पानी से भरे कुएं में तेंदुआ दिखने की जानकारी वन विभाग को दी थी। गांव के बाहर खेत में यह कुआं खुला हुआ है। संभव है कि रात के अंधेरे में तेंदुआ अचानक कुएं में गिर गया हो।

आरोपी के अधिकारों का ध्यान रखना जरूरी

मीडिया ट्रायल को लेकर गाइड लाइन बनाए सरकार-चंद्रचूड़...

नई दिल्ली/ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को मीडिया ट्रायल को लेकर नाराजगी जताई है। कोर्ट ने केंद्र सरकार को 3 महीने के अंदर मीडिया ब्रीफिंग पर गाइडलाइन बनाने को कहा है। इसके साथ ही सभी राज्यों के डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस को भी एक महीने के भीतर इस मामले में गृह मंत्रालय को सुझाव देने का निर्देश दिया है। सरकार की ओर से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि केंद्र जल्द ही पुलिस द्वारा मीडिया ब्रीफिंग के संबंध में गाइडलाइन करेगी। कोर्ट 2017 से जुड़े एक मामले पर सुनवाई कर रहा था। अब इसकी अगले सुनवाई जनवरी 2024 के दूसरे हफ्ते में होगी। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि मीडिया ट्रायल से न्याय प्रभावित हो रहा है। इसलिए पुलिस में संवेदनशीलता लाना जरूरी है। किसी भी मामले में पुलिस को कितना खुलासा करना चाहिए, ये तय करने की जरूरत है। इसमें पीड़ितों और आरोपी का हित शामिल है। साथ ही जनता का हित भी शामिल है। सीजेआई ने कहा कि किसी भी मामले में जांच के दौरान अहम सबूतों का खुलासा होने पर जांच प्रभावित हो सकती है। हमें आरोपी के अधिकार का भी ध्यान रखना है, क्योंकि वह भी पुलिस की निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच का हकदार है।

राजौरी और अनंतनाग में एनकाउंटर जारी

कश्मीर में कर्नल समेत 3 जवान शहीद-दो आतंकी मारे गए

अनंतनाग/ एजेंसी

जम्मू-कश्मीर में राजौरी और अनंतनाग में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच दो एनकाउंटर जारी हैं। बुधवार को दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर उस वक्त गोली चला दी, जब वे सर्च ऑपरेशन चला रहे थे। इसमें कर्नल मनप्रीत सिंह शहीद हो गए। एक पुलिसकर्मी के घायल होने की खबर है। दूसरी तरफ राजौरी में सोमवार से ही मुठभेड़ हो रही है। इसमें दो आतंकी मारे गए हैं। एक जवान और एक एसपीओ शहीद हुए हैं। इस ऑपरेशन में सेना का एक डॉगी भी मारा गया है। उसने अपने हैंडलर की जान बचाने के लिए खुद की जिंदगी दांव पर लगा दी। सेना के अधिकारी ने बताया कि एनकाउंटर में शहीद हुए आर्मी डॉग का नाम केंट था। उसने मुठभेड़ के दौरान अपने हैंडलर को बचाया और खुद शहीद हो गया। यह हादसा तब

हुआ जब वो भाग रहे आतंकियों की तलाश करने के लिए जवानों की एक यूनिट का नेतृत्व कर रहा था। इस दौरान वो भारी गोलाबारी की चपेट में आ गया। एडीजी मुकेश सिंह ने कहा कि खराब मौसम के बावजूद, सुरक्षा बलों ने राजौरी शहर से 75 किलोमीटर के इलाके में चारों ओर पूरी रात घेराबंदी की और सुबह आस-पास के इलाकों में तलाशी बढ़ा दी। नॉर्थ टेक सिंपोजियम 2023? कार्यक्रम के दौरान?? नॉर्दन आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट उपेंद्र द्विवेदी ने एनकाउंटर को लेकर कहा कि पाकिस्तान एक बार फिर क्षेत्र में आतंक फैलाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा- पाकिस्तान घाटी में शांति भंग करने के लिए सीमा पार से कट्टरपंथी बंदूकधारियों को भेजने की कोशिश कर रहा था। हालांकि, हम पाकिस्तान को उसके नापाक मंसूबों में सफल नहीं होने देंगे। न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, सुरक्षाबलों को इलाके में 3-4 आतंकियों के छिपे होने की जानकारी मिली थी। इसके बाद वहां तलाशी अभियान चलाया गया। छापेमारी के दौरान आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग की, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई थी। इस साल अब तक राजौरी-पूंछ जिले में सुरक्षबलों ने 26 आतंकियों को मार गिराया है। 10 सुरक्षाकर्मी भी शहीद हुए हैं। सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि 11 सितंबर की शाम को पतराडा के जंगली इलाके में तलाशी और घेराबंदी अभियान शुरू किया गया था। दो व्यक्तियों की संदिग्ध गतिविधि को देखते हुए कुछ राउंड फायरिंग की गई थी।

इन आलीशान हवाई अड्डों के सामने 5 सितारा होटल भी हैं फीके

हवाई अड्डों द्वारा प्लेन में बैठकर हम एक जगह से दूसरी जगह की दूरी कम समय में तय करते हैं। इंसान समय के साथ-साथ तरक्की करता जा रहा है और दिमाग के दम पर दुनिया में नई तकनीकों को जन्म देता जा रहा है। आज हम आपको दुनिया के कुछ ऐसे बेहतरीन हवाई अड्डों के बारे में बता रहे हैं, जो देखने में किसी आलीशान महल से कम नहीं लगते हैं और उनमें वो हर सुविदा मौजूद है, जो कि पांच सितारा होटल, आलीशान रेस्टोरेंट, क्लब, बार, मॉल, शॉपिंग कॉम्पलेक्स में होती हैं।

सिंगापुर चांगी हवाई अड्डा

अगर दुनिया आलीशान हवाई अड्डों की बातो होगी तो उसमें पहला नाम सिंगापुर के चांगी हवाई अड्डे का आएगा। इस आलीशान हवाई अड्डे से दुनिया में 200 जगहों तक प्लेन द्वारा जाया जा सकता है। इस लग्जरी हवाई अड्डे का डिजाइन शानदार है, बाहर बना गार्डन इसकी खूबसूरती में चार चांद लगाता है।

टोक्यो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा

दुनिया के आलीशान हवाई अड्डों में टोक्यो का ये हवाई अड्डा दूसरे नंबर पर आता है। प्रत्येक वर्ष इस हवाई अड्डे से 60 मिलियन से ज्यादा लोग यात्रा करते हैं।

इंचन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा

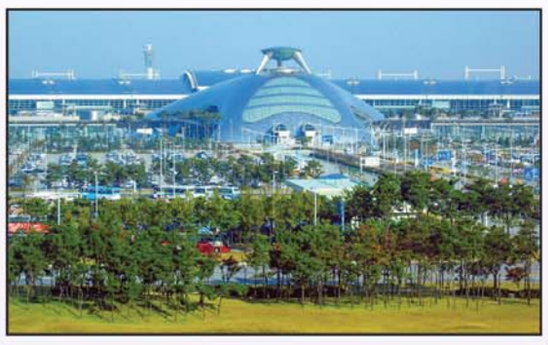

दुनिया के आलीशान हवाई अड्डों में इंचन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा तीसरे नंबर पर आता है। ये हवाई अड्डा दक्षिणी कोरिया में सबसे बड़ा और व्यस्त है। इस हवाई अड्डे को लग्जरी और खूबसूरत होने के कारण 'एयरपोर्ट ऑफ द ईयर' का अवॉर्ड भी मिला है।

हांगकांग अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा

हांगकांग अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा दुनिया के आलीशान हवाई अड्डों में चौथे नंबर पर आता है। इस हवाई अड्डे में यात्री शॉपिंग कर सकते हैं, पार्टी कर सकते हैं, खाना-पीना कर सकते हैं। इस जगह सभी तरह की लग्जीरियस सुविधाएं मिलती हैं।

म्यूनिख हवाई अड्डा

दुनिया के आलीशान हवाई अड्डों में म्यूनिच हवाई अड्डा पांचवे नंबर पर आता है। जर्मनी के इस हवाई अड्डे के अंदर 200 से अधिक जगहों से खाना-पानी, शॉपिंग और अन्य कार्य किए जा सकते हैं।

पेड़ की जड़ों से बना पुल नहीं है किसी करिश्मे से कम!

पेड़ों की जड़ों से बना 200 साल पुराना अनोखा पुल

इस दुनिया में इंसानों द्वारा बनाए गए कई ऐसे पुल मौजूद हैं, जिनकी खूबसूरती देख लोग तारीफ किए बिना रह नहीं सकते. कई पुल ऐसे है जो शहरों को जोड़ते हैं, तो वहीं कई ऐसे भी हैं जो एक देश को दूसरे से जोड़ते हैं, यही वजह है कि इन पुलों और ब्रिज की अपनी एक अलग पहचान है. सिडनी का हार्बर ब्रिज हो या टावर ब्रिज, दुनिया में इनकी अलग पहचान है. मगर भारत में एक ऐसा ब्रिज है जो अपने में ही इतना अद्भुत है कि उसे देखकर आप दंग हो जाएंगे और उनके सामने दुनिया के कई पुल फीके लगने लगेंगे. इसी कड़ी में आज हम आपको एक ऐसे पुल के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके सामने दुनिया के सभी पुल एकदम फीके है! हम बात कर रहे हैं मेघालय में स्थित लिविंग रूट ब्रिज के बारे में, इस पुल की सबसे खास बात ये है कि यह पूरी तरीके से पेड़ों की जड़ों से बना है और आज भी उतनी मजबूती से टिका हुआ है जितना तब था जब उसे बनाया गया था. मेघालय में स्थित बेहद अनोखा जड़ों सा बना पुल आज भी उतनी मजबूती से टिका हुआ है जितना तब था जब उसे बनाया गया था. रिपोर्ट्स की मानें तो ये पुल 180 साल से भी ज्यादा पुराना है. इसकी खासियत ये है कि ये पुल पेड़ों की जिंदा जड़ों से धागे की तरह बुनकर बनाया गया है. आप सोचेंगे कि इस अद्भुत पुल को बनाने में काफी प्रशिक्षित इंजिनीयर्स का दिमाग लगा होगा. पर आप गलत हैं.

मेघालय की जनजातियों ने बनाया है ये पुल

अब आपके मन में सवाल तो जरूर उठ रहा होगा कि ऐसे अद्भुत पुल को बनाने के लिए काफी प्रशिक्षित इंजिनीयर्स का दिमाग लगा होगा, लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है. मेघालय में लंबे वक्त से खासी और जयंतिया जनजाति के लोग रहते हैं जिन्होंने पेड़ की जड़ों से पुल बनाने की हुनर में महारत हासिल कर ली है. रिपोर्ट्स की मानें तो ये पुल 180 साल से भी ज्यादा पुराना है. इसकी खासियत ये है कि ये पुल पेड़ों की जिंदा जड़ों से धागे की तरह बुनकर बनाया गया है और इस पर एक साथ 50 लोग तक आराम से चल सकते हैं. इस पुल का निर्माण मेघालय के घने जंगलों से गुजरने वाली नदी को पार करने के लिए बनाया गया है.

यूनेस्को ने वर्ल्ड हेरिटेज साइट घोषित किया है

आपको बता दें कि लिविंग रूट ब्रिज, रबर के पेड़ की जड़ों से बना है. इन पुलों में कुछ का साइज 100 फीट तक है और इन्हें सही शेप लेने में 10 से 15 साल का वक्त लगता है. जब ले जड़ों पूरी तरह से बढ़ जाती हैं तो ये 500 सालों तक मजबूती से बनी रह सकती हैं. कई जड़ें पानी से लगातार मिलते-मिलते सड़ने लगती हैं मगर नई जड़ें पैदा होती जाती हैं. इन सारे पुलों में से सबसे खास है चेरापुंजी में स्थित डबल डेकर जड़ों का पुल जो एक के ऊपर एक बनाया गया है.

दुनियाभर में एक से बढ़कर एक खूबसूरत ब्रिज नज़र आ जाएंगे लेकिन क्या आपने ऐसा कोई पुल देखा है जो केवल पेड़ों की जड़ों से बना हुआ हो? इन तो इंजीनियर ने बनाया है और ना ही किसी वास्तुकारों का कोई योगदान है। यह प्राकृतिक पुल मेघालय में है और यह पुल करीब 200 साल पुराना है। इस पुल को लिविंग रूट ब्रिज कहा जाता है। डबल डेकर रूट ब्रिज को रबड़ के पेड़ों की जड़ों से बनाया गया है। मजबूत जड़ें बढ़ कर गांव में लटकती थी, तो ऐसे में लोगों ने इसे सीधा करते हुए पेड़ को पुल का आकार दे दिया, लेकिन करीब 15 साल बाद यह पुल लोगों का वजन झेलने वाला बना। यह पुल मेघालय की उमशियांग नदी के ऊपर बना है, जो करीब 50 मीटर लंबा और 1.5 मीटर चौड़ा है। इस पुल को डबल डेकर इसलिए कहा जाता है क्योंकि यह पुल एक के ऊपर एक बना है।

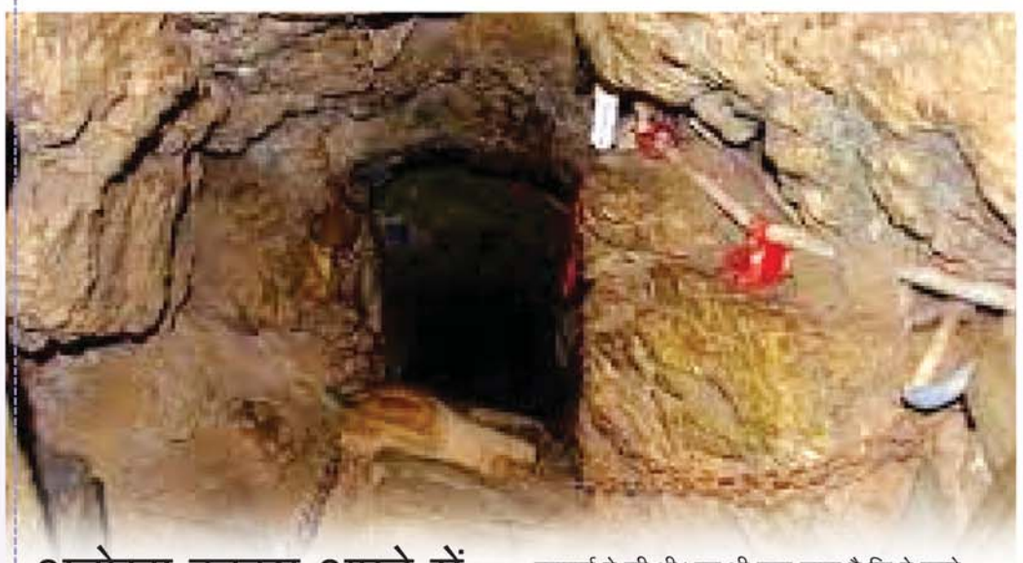

अनोखा रहस्य अपने में समेटे है उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में स्थित पाताल भुवनेश्वर गुफा

भारत इतिहास, रहस्यों और कई संस्कृतियों को अपने में संजोए है। यहां के हर राज्य की अपनी अलग विशेषताएं हैं और हर राज्य में छिपे हैं इतिहास से जुड़े अचरज में डाल देने वाले राज। ऐसा ही अनोखा रहस्य अपने में समेटे है उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में स्थित पाताल भुवनेश्वर गुफा मंदिर। नैनीताल से करीब 170 किलोमीटर दूर स्थित पाताल भुवनेश्वर गुफा मंदिर एक बार आप देखेंगे तो यह अनोखा अनुभव कभी भूल नहीं पाएंगे। समुद्र तट से करीब 90 फीट नीचे 160 मीटर लंबी इस लाइमस्टोन गुफा से कई पौराणिक कहानियां और आस्था जुड़ी हैं।

स्कंद पुराण में है महिमा का वर्णन

कहा जाता है कि यह गुफा कभी देवताओं का घर था। चारों ओर से ऊंचे ऊंचे पेड़ों और वादियों से घिरी यह गुफा अपने आप में अनोखी है। कहा जाता है कि यह गुफा कभी देवताओं का घर था। यहां सभी देवतागण भगवान शिव की पूजा करते थे। मान्यता के अनुसार मंदिर में भगवान गणेश के कटे हुए सिर को स्थापित किया गया है। माना जाता है कि गुफा में स्थापित शिवलिंग लगातार बढ़ रहा है। मान्यता के अनुसार जब यह गुफा की छत को छू लेगा, तब दुनिया का अंत होगा। इतना ही नहीं यहां आपको एक ही जगह पर चार धामों के दर्शन का लाभ मिलता है। स्कंद पुराण में भी इस मंदिर की महिमा का वर्णन है।

गुफा से जुड़ी है ये मान्यता

इस गुफा और इसमें बने मंदिर से कई कहानियां और लोक कथाएं जुड़ी हैं। माना जाता है कि इस गुफा और इसमें बने मंदिर की खोज त्रेता युग में राजा ऋतुपर्णा ने की थी। यह भी कहा जाता है कि वे पहले इंसान थे जिसने इसे खोजा। यहां पहुंचने के बाद उन्हें नागों के राजा अधिशेष मिले। माना जाता है कि अधिशेष ही राजा ऋतुपर्णा को गुफा के अंदर लेकर गए थे। इसके बाद द्वापर युग में पांडवों ने इस गुफा को फिर से खोजा। साथ ही यहां भगवान शिव की पूजा की। कहा जाता है कि कलियुग में आठवीं सदी में आदि शंकराचार्य ने इस गुफा को फिर से ढूढा।

संकरे रास्ते के अंदर बसा है अनोखा संसार

गुफा के अंदर आपको ऐसा बहुत कुछ देखने को मिलेगा, जिसे देखकर आप हैरान हो जाएंगे। इस गुफा में प्रवेश के लिए एक बहुत ही संकरा रास्ता है। लेकिन गुफा के अंदर आपको ऐसा बहुत कुछ देखने को मिलेगा, जिसे देखकर आप हैरान हो जाएंगे। कहीं चट्टानों से पानी गिरता दिखता है, तो हीं जमीन पर पानी बहता नजर आता है। गुफा की काली दीवारों पर सफेद जटाओं सी आकृतियां आपका मन मोह लेंगी। इस संकरे रास्ते से आप जैसे ही अंदर पहुंचेंगे आपको एक बड़ा से स्पेस नजर आएगा। गुफा में प्रवेश करते ही आपको चट्टान पर हाथी के 100 पैरों जैसी आकृति नजर आएगी। गुफा में शेषनाग का फन भी है। माना जाता है कि इसी पर पूरी धरती टिकी है। हैरानी की बात तो यह है कि जमीन के इतने नीचे होने के बावजूद आपको यहां घुटन महसूस नहीं होती, बल्कि शांति का एहसास होता है। माना जाता है कि इस मंदिर में चार द्वार हैं, जिन्हें रण द्वार, पाप द्वार, धर्म द्वार और मोक्ष द्वार नाम दिया गया है। माना जाता है कि रावण की मृत्यु के बाद पाप द्वार बंद हो गया था। वहीं कुरुक्षेत्र की लड़ाई के बाद रण द्वार बंद हुआ। इस बार समर हॉलीडे में आप यहां आने का प्लान बना सकते हैं।

बोस्निया का ये डाइविंग पुल है 75 फीट ऊंचा

बाल्कन प्रायद्वीप पर बसा हुआ बोस्निया और हर्जेगोविना दक्षिण पूर्व यूरोप का एक देश है। इसकी पूर्व दिशा में सर्बिया और दक्षिण, पश्चिम और उत्तर में क्रोएशिया बसा हुआ है। बोस्निया और हर्जेगोविना के मोस्टर शहर की नेरेत्वा नदी पर दुनिया का सबसे आर्कषक डाइविंग पुल बना हुआ है। 17वीं शताब्दी में ये ब्रिज बनाया गया था, लेकिन 100 साल पहले की बात है, जब अधिकारिक रूप से पहली छलांग लगी थी। 1968 में 75 फीट से इस ब्रिज के ऐतिहासिक पत्थरों से बर्फीले पानी में छलांग लगाने के लिए प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। तभी से ये स्थल लोगों के आर्कषण का केन्द्र बना हुआ है। इसके बाद से ही विदेशी सैलानी इस रोमांच का अनुभव करने के लिए यहां तुर्किए तकनीक से तैयार किए गए इस ऐतिहासिक स्थल को यूनेस्को की विश्व धरोहरों की सूची में शामिल किया गया है। जो यहां की सांस्कृतिक और धार्मिक विविधता और विरासत को बताता है।

बोस्निया और हर्जेगोविना के मोस्टार शहर में 16वीं शताब्दी का एक पुनर्निर्मित ओटोमन पुल है जो नेरेटा नदी को पार करता है और शहर के दो भागों को जोड़ता है। 9 नवंबर 1993 को क्रोएशिया-बोस्नियाक युद्ध के दौरान क्रोएशियाई रक्षा परिषद (एचवीओ) की गोलाबारी के कारण स्टारी मोस्ट ध्वस्त हो गया। 2017 में, अपील अदालत ने माना कि विनाश कानूनी था क्योंकि पुल विरोध के रूप में एक सैन्य लक्ष्य थाबोस्निया और हर्जेगोविना गणराज्य की सेना ने इसे सैन्य आपूर्ति लाइन के रूप में इस्तेमाल किया। इसके बाद, इसके पुनर्निर्माण के लिए एक परियोजना शुरू की गई। पुनर्निर्मित पुल 23 जुलाई 2004 को खोला गया। पुराने पुल को बाल्कन इस्लामी वास्तुकला का एक अनुकरणीय नमूना माना जाता है । इसे 1557 में सुलेमान द मैग्निफिसेंट द्वारा बनवाया गया था और वास्तुकार मीमर सिनान के छात्र और प्रशिक्षु मीमर हयारुद्दीन द्वारा डिजाइन किया गया था। यह पुल मोस्टार के पुराने शहर में नेरेटा नदी तक फैला है, जिस शहर को इसने यह नाम दिया था। यह शहर देश का पांचवां सबसे बड़ा शहर है। यह बोस्निया और हर्जेगोविना संघ के हर्जेगोविना-नेरेटा कैंटन का केंद्र और हर्जेगोविना की अनौपचारिक राजधानी है। स्टारी मोस्ट कूबड़ वाला, 4 मीटर (13 फीट 1 इंच) चौड़ा और 30 मीटर (98 फीट 5 इंच) लंबा है, और 24 मीटर (78 फीट 9 इंच) की ऊंचाई से नदी पर बना है। दो दृढ़ मीनारें इसकी रक्षा करती हैं- उत्तर-पूर्व में हलेबीजा मीनार और दक्षिण-पश्चिम में तारा मीनार, जिन्हें ब्रिज कीपर्स (मूल रूप से मोस्टारी) कहा जाता है। नींव के बजाय पुल में पानी के किनारे की चट्टानों के साथ पंखों की दीवारों से जुड़े चूना पत्थर के अवशेष हैं।

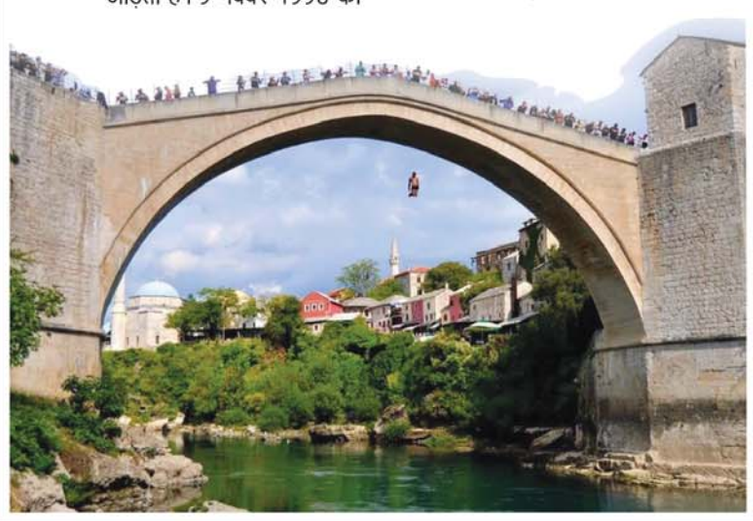

सार-समाचार

कलेक्टर ने आदिवासी विकास विभाग कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

समस्त शाखाओं के पंजियों को अपडेट रखने दिए निर्देश

बिलासपुरः- कलेक्टर संजीव कुमार झा ने आज पुराना संयुक्त कार्यालय स्थित आदिवासी विकास विभाग कार्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया। कलेक्टर ने कार्यालय के सभी शाखाओं में विभिन्न फाईलों, पासबुक, सर्विस बुक सहित अन्य रिकॉर्ड का बारीकी से अवलोकन किया और सभी पंजियों को अपडेट रखने कहा। इसी क्रम में कलेक्टर ने सभी फाईलों एवं रिकार्ड के समुचित रख-रखाव के निर्देश दिए। उन्होंने आदिवासी कल्याण के लिये संचालित विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की भी जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर शिव कुमार बैनर्जी एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर के निर्देश पर तत्काल अमल, श्रीमती रामबाई को मिला आयुष्मान कार्ड

बिलासपुरः- कलेक्टर संजीव कुमार झा के निर्देश पर त्वरित अमल करते हुए आज स्वास्थ्य विभाग द्वारा ग्राम पड़रीपार पहुंचकर श्रीमती राम बाई को आयुष्मान कार्ड प्रदान किया गया। ज्ञात हो कि साप्ताहिक जनदर्शन में कलेक्टर से ग्राम पंचायत घुटकु के अंतर्गत ग्राम पड़रीपार निवासी श्रीमती रामबाई ने पेंशन दिलाने एवं आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए निवेदन किया था। जिस पर कलेक्टर झा ने स्वास्थ्य विभाग को तुरंत आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश दिए थे।

अनुकम्पा नियुक्ति के पूर्व डीईओ ने मंगाई दावा-आपत्ति

बिलासपुर :-जिला शिक्षा अधिकारी ने अनुकम्पा नियुक्ति के लिए प्राप्त आवेदनों की छानबीन के क्रम में एक सप्ताह में आमजनता से दावा आपत्ति मंगाई है। कुल 4 आवेदकों ने अनुकम्पा नियुक्ति के लिए कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किये हैं। डीईओ ने बताया कि बिल्हा विकासखण्ड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला बिटकुली में व्याख्याता के पद पर कार्यरत स्वर्गीय श्री लक्ष्मीकांत पाण्डेय के परिवार से उनकी पत्नी श्रीमती नूतन पाण्डेय, तखतपुर विकासखण्ड के शासकीय प्राथमिक शाला भरनी के प्रधान पाठक स्वर्गीय रामकुमार ध्रुव की पत्नी श्रीमती रेखा ध्रुव, मस्तूरी विकासखण्ड के ग्राम कुकुर्दीकला निवासी शिक्षक स्व.सनत कुमार ध्रुव की पत्नी श्रीमती शिवकुमारी एवं उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान बिलासपुर में भृत्य पद पर कार्यरत स्वर्गीय दाऊलाल अनंत के पुत्र शुभांशु अनंत ने अनुकम्पा नियुक्ति के लिए आवेदन दिया है। आमजनों की जानकारी में यदि दिवंगत शासकीय सेवकों के आश्रित परिवारों में यदि कोई सदस्य राज्य अथवा केन्द्र की शासकीय सेवा में कार्यरत होने की सूचना है, तो वे 7 दिवस के भीतर पुरानी कम्पोजिट बिल्डिंग स्थित कक्ष क्र. 25, जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा डाक के जरिए जानकारी दे सकते हैं ताकि नियमानुसार पात्र व्यक्ति को ही अनुकम्पा नियुक्ति का लाभ दिया जा सके।

पीएम विश्वकर्मा योजना का शुभारंभ 17 को

बिलासपुर :- विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर भारत सरकार द्वारा पारंपरिक शिल्पकारों और कारीगरों लिए पीएम विश्वकर्मा योजना का शुभारंभ 17 को सवेरे 11 बजे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया जाएगा। शुभारंभ अवसर पर केंद्रीय इस्पात मंत्री श्री फग्गन सिंह कुलस्ते शहर के बुधवारी बाजार के समीप स्थित रेलवे विभाग के नॉर्थ ईस्ट इंस्टीट्यूट ऑडोटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के मुख्य महाप्रबंधक द्वारा जिले के सभी कारीगर और शिल्पकारों से उक्त कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की गई है।

योजना अंतर्गत ऐसे शिल्पकार और कारीगर जो कारपेंटर, लोहार, सोनार, कुम्हार, मूर्तिकार, मोची, राजमिस्त्री, टोकरी-चटाई-झाड़ू बनाने वाले, गुड़िया खिलौने बनाने वाले, नाई, मालाकार, धोबी, दर्जी इत्यादि को उनके कार्य में और कौशल विकास कर तथा पहचान कर उनकी योग्यता क्षमता और उत्पादकता में वृद्धि करने के उद्देश्य से आधुनिक औजार एवं टूल कीट प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही उन्हें आर्थिक सहायता प्रदान करने हेतु कम ब्याज दर पर बिना कॉलेटरल के बैंक के माध्यम से ऋण प्रदाय किया जाएगा। योजना के तहत पात्रता रखने वाले शिल्पकार एवं कारीगर अपना पंजीयन चॉईस सेंटर के माध्यम से करा सकते है। इसके लिए आधार कार्ड, मोबाईल नंबर, बैंक विवरण एवं राशन कार्ड जैसे दस्तावेजों का होना अनिवार्य होगा।

चर्चाओं में खास नजर आ रहे हैं, अमर शैलेश, अटल रामशरण, हर्षिता और धर्मजीत सिंह में से किसको टिकट मिलेगी.. और किसकी टिकट कटेगी.. ?

श्याम कोरी

बिलासपुरः- बीते एक सप्ताह से प्रदेश की राजधानी रायपुर से लेकर बिलासपुर, मुंगेली रायगढ़ तखतपुर अंबिकापुर कटघोरा बेलतरा सहित हर जगह लोगों के बीच में केवल एक ही चर्चा हो रही है कि इस विधानसभा चुनाव में किसे मिलेगी टिकट .. ? और किसकी कटेगी टिकट.. ? विगत तीन चार विधानसभा चुनावों से किसी भी पार्टी की टिकट हासिल करना, चुनाव जीतने जैसा ही कठिन होता जा रहा है। किसी की भी टिकट कभी भी कट सकती है.. और किसी को भी टिकट कहीं से भी मिल सकती है।

पहले इस तरह की नखरा कांग्रेस में अधिक देखने को मिलती थी, जो , अभी भी परंपरा के रूप में जारी है। लेकिन अंधा बांटे रेवड़ी की तर्ज पर टिकट वितरण की यह संक्रामक नौटंकी अब भाजपा सहित सभी दलों में शुरू हो चुकी है। चौक चौराहों और पान ठेलों में दफ्तर ऑफिस और घरों में हर जगह लोग बस यही पूछ रहे हैं कि बिलासपुर से भारतीय जनता पार्टी की टिकट किसको मिलेगी ? वही यह सवाल भी लोगों के जुबान पर है कि क्या शैलेश पांडे रिपीट होंगे या उनकी टिकट काट दी जाएगी।

पहले बिलासपुर में भाजपा की टिकट को लेकर कोई सवाल अनुमान या चर्चा करने की जरूरत नहीं पड़ती थी। बिलासपुर से पार्टी के भीतर एकमात्र पहले और अंतिम दावेदार अमर अग्रवाल ही माने जाते थे। लेकिन चुनावी मैदान में सिर्फ एक बार गोल खाने के बाद कई बार के विजेता अमर अग्रवाल को लेकर भी पहली बार लोग चटकारे लेकर चर्चा कर रहे हैं। उनकी जगह बीजेपी से टिकट लाने की संभावना वालों में कुछ लोगों के नाम भी सामने आ चुके हैं।

ऐसा ही अनुमान पिछले विधानसभा चुनाव में अमर अग्रवाल को 10000 से भी अधिक वोटो से हारने वाले शैलेश पांडे की टिकट को लेकर भी लगाया जा रहा है। अमर अग्रवाल की तरह शैलेश पांडे की टिकट पर भी उनकी अपनी पार्टियों के कई नेताओं की गिध्द दृष्टि लगी हुई है। बिलासपुर की तरह ही बेलतरा में

कांग्रेस के दावेदारों की संख्या किलो के भाव से से है।

पूर्व विधायक चंद्र प्रकाश बाजपेयी के बाद भाजपा की झोली में जा चुकी सीपत बेलतरा विधानसभा सीट को इस बार फिर कांग्रेस से नए दूल्हे का इंतजार है। जबकि भाजपा में जेंटलमेट और मिलनसार विधायक रजनीश सिंह की टिकट भी व्हाया केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर और ब्राह्मण कोटा के नाम से काटने की उठा पटक चल रही है। इस मामले में बिल्हा के भाजपा विधायक धरमलाल कौशिक कुछ राहत में है।

वहां से भाजपा की टिकट के मामले में उन्हें अकेला अमिताभ बच्चन माना जा रहा है। जबकि कांग्रेस में पुराने पराजित प्रत्याशियों से लेकर नई ताजातरीन चेहरों को दावेदार के रूप में दौड़ भाग करते देखा जा रहा है। इससे तिफरा के राजेंद्र शुक्ल का बीपी ऊपर नीचे हो रहा है। हालांकि उन्हें भरोसा है कि चुनाव अभियान समिति के चेयरमैन डॉक्टर चरण दास महंत के रहते उनकी टिकट कोई नहीं काट सकता।

लेकिन यह राजनीति है। इसमें जब भाजपा के कद्दावार नेता अमर अग्रवाल की टिकट को लेकर लोग किंतु परंतु लग रहे हैं तो राजेंद्र शुक्ला या किसी और की टिकट को लेकर शर्त लगाना मूर्खता ही होगी। चुनावी टिकट को लेकर हर विधानसभा क्षेत्र में दावेदारों की गिद्ध दृष्टि बिलासपुर जिले की तरह बिलासपुर संभाग की सभी 24 विधानसभा सीटों पर दिखाई दे रही है। अब अगर तखतपुर की बात करें तो यहां दमदार नेता धर्मजीत सिंह की धमक ने कांग्रेस के संभावित प्रत्याशियों की चिंता बढ़ा दी है वही पिछली बार भारतीय जनता पार्टी को पहले मर्तबे तीसरे स्थान पर नीचे लाने वाली नेत्री हर्षिता पांडे और उनके समर्थक भी चिंता में पड़ गए हैं। कांग्रेस में तो शुरू से ही बड़े बड़ों को टिकट के लाले पडते रहे हैं। कब किसे टिकट मिल जाए और कब किसकी टिकट कट जाए.. ? इसका देश की सबसे पुरानी पार्टी में अनुमान लगाना कठिन ही रहा है। वही केंद्र और प्रदेश की सत्ता में आने के बाद भारतीय जनता पार्टी को भी टिकट वितरण को लेकर विवादों के संक्रमण की बीमारी लग चुकी है। बहरहाल अभी बिलासपुर जिले व संभाग की और भी विधानसभा सीटों तथा नेताओं की चर्चा बाकी है। उन पर फिर कभी सियासी टोर्च की रोशनी मारी जाएगी। हां एक बात और... भाजपा में हल्ला है कि कई दिक्कत नेताओं के टिकट काटे जाएंगे। और जीत की संभावनाओं वाले नए कार्यकर्ताओं को मौका दिया जाएगा। अब भाजपा आलाकमान ऐसा कहे और टिकट के दावेदारों को डर ना लगे..... ऐसा कैसे संभव हो सकता है.. ?

सरोज कुमार श्याम का असम राइफल में हुआ चयन

छात्र की सफलता पर सम्मानित किया - विद्यालय बसहा

श्याम कोरी

बिलासपुर-: शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय बसहा के पूर्व छात्र सरोज कुमार श्याम पिता रामेश्वर सिंह श्याम का चयन असम राइफल्स में हुआ है।इस शानदार सफलता से पूरा शाला परिवार सहित गांव में हर्ष व्याप्त है।विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक रविन्द्र कुमार मधुकर और प्रधान पाठक बसंत कुमार कश्यप के अगुवाई में विद्यालय में सरोज कुमार श्याम का श्रीफल और प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर सरोज कुमार श्याम ने अपनी सफलता का श्रेय कठिन परिश्रम , दृढ़ संकल्प ही सही पर सफलता अवश्य मिलती माता-पिता एवं गुरुजनों का आशीर्वाद को दिया ।उन्होंने कहा कि हमे अपना लक्ष्य निर्धारित कर उस पर नियमित मेहनत करना चाहिए और असफलता से हिम्मत नही हारना चाहिए क्योंकि देर से है।इस अवसर पर शाला के शिक्षिका कुमारी आशालता मानिकपुरी, महेंद्र कुमार लास्कर सीएसी दिनेश कुमार बंजारे अजीत कुजूर और छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

इस तीज पर महिलाओं के हाथों में रचेगी एक मेहंदी स्वीप की

स्वीप के तहत मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन 16 से

सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागियों को किया जाएगा पुरस्कृत

बिलासपुरः- आगामी विधानसभा निर्वाचन के मद्देनजर जिले में लोगों को अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित एवं जागरूक करने विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही है। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध हरितालिका तीज पर्व को ध्यान में रखते हुए मतदाता जागरूकता के लिए एक मेंहदी स्वीप की प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इसमें महिला मतदाताओं को केंद्र में रखकर एक मेंहदी स्वीप की शीर्षक से मेहंदी लगाकर मतदान के लिए जागरूक किया जाएगा। यह प्रतियोगिता 16 से 19 सितम्बर 2023 तक होगी।

जागरूकता कार्यक्रम के दौरान महिला मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक और प्रेरित करने के दृष्टिकोण से बाएं हथेली पर स्वीप बिलासपुर लिखकर मेंहदी लगाने और दाहिने हथेली पर अन्य रचनात्मक आकृति बनाकर मेंहदी लगाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। जागरूकता कार्यक्रम में भागीदारी करने वाली महिलाओं एवं युवतियों को मेंहदी लगाकर व्यक्तिगत या सामूहिक रूप से फेटो लेकर जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराये गये व्हाट्सअप नंबर पर भेजना होगा। इन प्राप्त फेटोग्राफ्स में से सर्वश्रेष्ठ 20-20 प्रविष्टियों को व्यक्तिगत व सामूहिक श्रेणी में जिला प्रशासन द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। इसके साथ ही सोशल मीडिया में शेयर किये गए सर्वश्रेष्ठ 10 प्रविष्टियों को भी पुरस्कृत किया जाएगा। रिल्स तैयार कर शेयर करने वाले सर्वश्रेष्ठ 10 प्रतिभागियों को भी पृथक से पुरस्कार प्रदान किया जाएंगे। प्रतिभागियों को व्हाट्सअप नंबर 70005-44033 पर फेटो शेयर करना होगा। सोशल मीडिया पर फेटोग्राफ्स शेयर करने के दौरान प्रतिभागियों को भारत निर्वाचन आयोग, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय छत्तीसगढ़, जिला प्रशासन बिलासपुर के अधिकारिक पेजों @CEOChhattisgarh @ECISVEEP @BilaspurDist पर टैग करना एवं निर्धारित हैश टैग #ECISVEEP #ChunaiTihar #v®®PercentBilaspur के साथ शेयर करना अनिवार्य होगा। प्रतियोगिता में 19 सितम्बर तक उपलब्ध और शेयर किये गये फेटोग्राफ्स ही मान्य होंगे। जागरूकता कार्यक्रम हेतु नवाचार करने वाली निजी, गैर शासकीय संस्था अथवा संगठनों के सर्वश्रेष्ठ तीन प्रयासों को चिन्हांकित एवं पुरस्कृत किया जाएगा।

दिशा दर्शन भ्रमण कार्यक्रम के तहत जिले के एस एच जी समूह ने जबलपुर का किया भ्रमण

महिला गृह उद्योग लिज्जत पापड़ से सीखी उद्यम की बारीकियां

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर जिले की महिला स्वयं सहायता समूहों के सशक्तिकरण, आयोपार्जन गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से समूह की महिलाओं को अन्य राज्यों के सफलतापूर्वक काम कर रहे स्व. सहायता समूहों के अध्ययन हेतु एक दिवसीय दिशा दर्शन भ्रमण कार्यक्रम रखा गया। शासन के दिशा-निर्देश के अनुक्रम में कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री चंद्रबेश सिंह सिसोदिया द्वारा ओड़गी सीडीपीओ मीरा कुरील के नेतृत्व में 08 सितम्बर 2023 को जिले से 50 महिलाओं के दल को दिशा-दर्शन भ्रमण अंतर्गत संस्था लिज्जत पापड़ जबलपुर (म.प्र.) का भ्रमण कराया गया। उक्त दल में विकासखंड रामानुजनगर, प्रतापपुर, सिलफिली, सूरजपुर, प्रेमनगर के स्व सहायता समूह की महिलाओं को भ्रमण कराने का मुख्य उद्देश्य उन्हें सशक्त करना है, ताकि वे मजबुत होकर समाज में एक विशिष्ट मुकाम हासिल कर सकें। इस दल के द्वारा विश्व प्रसिद्ध महिला गृह उद्योग लिज्जत पापड़ उद्योग के कार्यो को नजदीक से देखा गया।

इस अध्ययन दल मे पर्यवेक्षक श्रीमती रोशनी पटले, श्री रोशन झा, साबरीन, विनीता, अमित भरिया आदि कर्मचारी भी शामिल

अधिवक्ता के संघ के अध्यक्ष अनिल सिंह सचिव सी पी सिंह चुने गए

चिरमिरी भारत भास्कर अधिवक्ता संघ के चुनाव में 92 मतदाता अधिवक्ताओं के बीच 87 अधिवक्ताओं ने अपने मत का प्रयोग करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अनिल सिंह को अध्यक्ष एवं सचिव पद हेतु सी पी सिंह हेतु चुना है

बीते 12 सितंबर को व्यवहार न्यायालय चिरमिरी के परिसर में चुनाव अधिकारी वरिष्ठ अधिवक्ता आलेख दास एवं सह चुनाव अधिकारी संतोष यादव के द्वारा चुनावी प्रक्रिया संपन्न कराई गई । चुनाव अधिकारी के द्वारा सभी नियमों का कड़ाई से पालनपुर करते हुए सुबह 11 बजे से 3 बजे तक मतदान प्रक्रिया पूर्ण कर परिणाम घोषित किया गया अध्यक्ष पद हेतु अनिल सिंह , सचिव पद हेतु सी पी सिंह , उपाध्यक्ष पद हेतु निलेश जायसवाल , कोषाध्यक्ष पद हेतु समर सिंह , सह सचिव पद हेतु दिलीप गुप्ता , लाइब्रेरियन पद हेतु रवि शंकर रवि एवं संस्कृत एवं क्रीडा सचिव हेतु नरेंद्र कुमार आर्य के नाम की घोषणा चुनाव अधिकारी आलेख दास द्वारा किया गया । बता दे कि अधिवक्ता संघ चिरमिरी में अध्यक्ष पद हेतु चार , सचिव हेतु दो , कोषाध्यक्ष हेतु दो , सह सचिव हेतु दो लोगों के बीच मतदान संपन्न होना था वहीं उपाध्यक्ष , संस्कृत एवं क्रीड़ा सचिन , लाइब्रेरियन के पद हेतु एक-एक आवेदन होने के कारण निर्विरोध चुन लिए गए वही संघ में संरक्षक , महिला उपाध्यक्ष एवं कार्यकारिणी सचिव के सात पद हेतु आवेदन न होने के कारण यह पद रिक्त रहा ।

अनिल सिंह अध्यक्ष

सी पी सिंह सचिव

घोषणा के बाद अधिवक्ताओं द्वारा हर्ष मनाते हुए बधाई व मिठाइयों का दौरा चलता रहा । अंत में चुनाव अधिकारी द्वारा सभी अधिवक्ताओं को शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने में सहयोग हेतु सभी अधिवक्ताओं का धन्यवाद व जीतने वाले को बधाई दिया गया।

कलेक्टर, जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी-कर्मचारी वीडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से हुए शामिल

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने 'आयुष्मान भवः अभियान' का वर्चुअल रूप से किया शुभारंभ

जांजगीर-चांपा / राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने आज 'आयुष्मान भवः अभियान' का शुभारंभ किया है। इसका उद्देश्य सभी लोगों को व्यापक स्तर पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। राष्ट्रपति ने गांधी नगर में राजभवन से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये इस अभियान की शुरुआत की। 'आयुष्मान भवः अभियान' देशभर में व्यापक स्तर पर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की पहल है। इसका उद्देश्य प्रत्येक गांव और शहर में हर किसी को संपूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है। जिला चिकित्सालय से वीडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी, नगर पालिका जांजगीर-नैला अध्यक्ष श्री भगवानदास गढेवाल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ स्वाति वंदना सिसोदिया, डीपीएम श्री उत्कर्ष तिवारी सिविल सर्जन डॉ अनिल जगत एवं चिकित्सालय के समस्त चिकित्सक एवं स्टॉफ उपस्थित रहें।

इस अवसर पर अपने संबोधन में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि 'आयुष्मान भवः अभियान' का लक्ष्य- प्रत्येक व्यक्ति और प्रत्येक गांव को इसमें शामिल करना है। उन्होंने कहा कि यह हमारे देश में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के उद्देश्य को प्राप्त करने में सफलता हासिल करेगा। उन्होंने कहा कि जब प्रत्येक व्यक्ति, प्रत्येक परिवार स्वस्थ रहेगा तभी स्वस्थ भारत के निर्माण का संकल्प पूरा होगा। उन्हें यह जानकर प्रसन्नता का अनुभव हुआ है कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बहु-मंत्रालयी दृष्टिकोण अपनाया गया है। उन्होंने कहा कि सभी का सहयोग इतने विशाल लक्ष्यों को हासिल करने में सहायक होगा राष्ट्रपति ने कहा कि सभी लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड उपलब्ध कराना; ग्रामीणों को स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण के बारे में जागरूक करने के लिए आयुष्मान बैठकें आयोजित करना; आयुष्मान मेलों का आयोजन; और आयुष्मान आपके द्वार पहल के अंतर्गत सप्ताह में एक बार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर विशेषज्ञ चिकित्सकों के दौरे की व्यवस्था करना सराहनीय कदम हैं।

विश्व बाज़ार में भारत की प्रतिनिधि 'हिन्दी'

स्वदेश तिवारी, स्थानीय संपादक

मानक बदल रहे हैं, इमारतों का क़द बढ़ रहा है, सीमाएँ विस्तारित हो रही हैं, आदमी चाँद पर जा रहा है, भारत चाँद के दक्षिण ध्रुव पर पहुँच रहा है, विश्व की प्रगति इतरा रही है, जनसंख्या बढ़ रही है, भाषाओं का फ़लक बदल रहा है, इन सबके बावजूद किसी भाषा के विस्तारित होते दायरे के कारण राष्ट्र के सम्बन्ध मज़बूत और सँवर रहे हैं तो वह भाषा हिन्दी है। क्रिकेट के मैदान से लेकर बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की कमान संभाल रहे भारतीय मूल के रहने वाले अथवा नौकरी के लिए उस देश पहुँचे भारतीय भी हर स्थान पर भारत को मज़बूत कर रहे हैं। और वे तिरंगे ध्वज और बहुसंख्यकों की मातृभाषा हिन्दी का ही दामन थाम कर चल रहे हैं।

यह भी सत्य है कि जो अमृतकाल का भारत बनने जा रहा है उसके सौष्ठव और आधारभूत ताना-बाना गढ़ने में हिन्दी का अहम योगदान है। आज माँ, मातृभूमि और मातृभाषा का कर्ज़दार राष्ट्र का प्रत्येक निवासी है, और इसी कारण ही राष्ट्रवासी अपने सेवा के भाव को जीवित रखते हैं। हिन्दी न केवल एक भाषा मात्र है बल्कि भारत की सांस्कृतिक अखंडता के परिचय का दूसरा नाम है। 'एक राष्ट्र-एक राष्ट्रभाषा' के सिद्धांत में ही भारत की समस्त सांस्कृतिक अखंडता मूलक समस्याओं का समाधान है। जैसे कि देश में क्षेत्रवाद का हल हिन्दी है, नव त्रिभाषा के सूत्र में एक राष्ट्रभाषा के माध्यम से क्षेत्रवाद की समस्या हल हो सकती है। जातिवाद पर चोट एक राष्ट्रभाषा होने से की जा सकती है, तर्क अनुसार तो जब राष्ट्र की भाषा एक है तो फिर भेद कैसा? एक भाषा-एक राष्ट्र की परिकल्पना का साकार रूप ही समस्या का समाधान है। जब जातिवाद और क्षेत्रवाद समाप्त हो गया, तब तो राष्ट्रीय एकता को अन्यत्र कहीं खतरा नज़र ही नहीं आएगा।

इसी तरह हमारे राष्ट्र में संस्कार सिंचन की प्राथमिक पाठशाला बच्चे का घर और परिवार होते हैं। जिस तरह बच्चे की माँ नौ माह अपनी कोख में उस बच्चे को पालती है, अपना दूध पिलाती है, उसका ख़्याल रख कर बड़ा करती है, तब बच्चा माँ और पिता का कर्ज़दार हो जाता है। इसी तरह हमारे यहाँ संस्कारों का ककहरा जिस भाषा में सिखाया जाता है वो है मातृभाषा। और 80 प्रतिशत हिंदुस्तान की मातृभाषा हिन्दी है, इसी के आधार पर हिन्दी का कर्ज़दार भी पूरा देश है क्योंकि यदि संस्कार नहीं होते तो शिक्षित नहीं होते, शिक्षित नहीं होते तो जीवनयापन करने में कठिनाइयाँ आतीं। मतलब साफ़ है कि आपके वर्तमान जीवन के लिए आपके चिंतन के मूल में संस्कार हैं और वे संस्कार आपकी मातृभाषा हिन्दी में ही दिए गए हैं, क्योंकि अंग्रेज़ी नस्ल तो हमारे यहाँ पैदा नहीं होती।

जब हम कर्ज़दार हैं हिन्दी भाषा के तो हमारा भी दायित्व उसके प्रति बनता है। वर्तमान में भारत के ही विभिन्न प्रांतों में हिन्दी का महत्त्व नहीं स्वीकारा जा रहा है और उसके गौरव की स्थापना अभी भी अधूरी है। ऐसी स्थिति में प्रत्येक कर्ज़दार को हिन्दी के प्रति अपनी ज़िम्मेदारियों का निर्वाहन करना चाहिए। हिन्दी भारत में संवाद की प्रथम कारक है। भाषा का अपना एक महत्त्व है जिसके कारण संवाद का प्रारम्भ होता है और संवाद का पहला कायदा है कि जिन दो व्यक्तियों के बीच संवाद होना है उनकी भाषा का एक होना भी आवश्यक है। जैसे यदि आदमी और कौवे की भाषा अलग-अलग नहीं होती तो शायद भारत के कौवे भी गीता और कुरान पढ़ रहे होते। इसलिए संवाद स्थापित करने की पहली शर्त दोनों की भाषा का एक होना है। भाषा से संस्कार ज़िंदा होते हैं, संस्कारों का परिष्कृत स्वरूप ही संस्कृति का परिचय है, रहन-सहन के अतिरिक्त संवाद आवश्यक तत्व है। देश में एक भाषा की आवश्यकता क्यों है? इसका महत्त्वपूर्ण तर्क इस बात से साबित होता है कि जैसे यदि आप पंजाबी भाषी हैं और आप भारत के एक हिस्से दक्षिण में जाते हैं, और वहाँ की भाषा तमिल, तेलुगु, मलयाली या कन्नड़ है, और आप न तो द्रविड़ भाषाओं को जानते हैं, न ही वे पंजाबी। ऐसी स्थिति में न आप संवाद कर पाएँगे, न ही वो। और संवाद न होने की दशा में समय और कार्य व्यर्थ हो जाएगा। अब ऐसी ही स्थिति में देश के आंतरिक भू भागों पर भी अलग-अलग भाषाओं के होने से समरूपता दृष्टिगोचर नहीं होती। इसलिए कम से कम भारत की एक प्रतिनिधित्व भाषा होनी चाहिए, जिसका देश की अन्य भाषाओं के साथ समन्वय भी हो और वो सम्पूर्ण राष्ट्र में अनिवार्य हो। अब दूसरी महत्त्वपूर्ण बात कि अब इस एक भाषा का चुनाव कैसे हो? इसके लिए इस तर्क को समझना होगा कि किस भाषा का प्रभुत्व जनसंख्याबल के अनुसार अधिक है।

हिन्दी भाषा के विकास में संतों, महात्माओं तथा उपदेशकों का योगदान भी कम नहीं आँका जा सकता है क्योंकि वे आम जनता के अत्यंत निकट होते हैं। इनका जनता पर बहुत बड़ा प्रभाव होता है। उत्तर भारत के भक्तिकाल के प्रमुख भक्त कवि सूरदास, तुलसीदास तथा मीराबाई के भजन सामान्य जनता द्वारा रस के साथ गाए जाते हैं। इसकी सरलता के कारण ही कई लोगों को कंठस्थ हैं। इसका प्रमुख कारण हिन्दी भाषा की सरलता, सुगमता तथा स्पष्टता है। संतों-महात्माओं द्वारा प्रवचन भी हिन्दी में ही दिए जाते हैं। क्योंकि अधिक से अधिक लोग इसे समझ पाते हैं। उदाहरण के रूप में दक्षिण-भारत के प्रमुख संत वल्लभाचार्य, विट्ठेल रामानुज तथा रामानंद आदि ने हिन्दी का प्रयोग किया है। उसी प्रकार महाराष्ट्र के संत नामदेव, संत ज्ञानेश्वर आदि, गुजरात प्रांत के नरसी मेहता, राजस्थान के दादू दयाल तथा पंजाब के गुरु नानक आदि संतों ने अपने धर्म तथा संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिए एकमात्र सशक्त माध्यम हिन्दी को बनाया। हमारा फ़िल्म उद्योग तथा संगीत हिन्दी भाषा के आधार पर ही टिका हुआ है।

भारत पर प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से 200 से 250 वर्षों तक अंग्रेज़ो का शासन रहा, अल्पावधि तक फ़्रांसीसियों एवं डच आक्रान्ताओं का प्रभाव भी रहा। भारत के कुछ भू-भागों जैसे केरल, गोवा (मालाबार का इलाका आदि) पर तो पुर्तगालियों का 400-450 वर्षों तक शासन रहा। भारत पर 7-8 शताब्दी से आक्रमण प्रारंभ हो गए थे। मोहम्मद बिन कासिम, महमूद गजनवी, तैमूर लंग, अहमद शाह अफ्दाली, बाबर एवं उसके कई वंशज आक्रांताओं का भी शासनकाल अथवा प्रभावयुक्त कालखंड भी सांस्कृतिक एवं सभ्यता की दृष्टि से भारत के लिए कोई बहुत अच्छा समय नहीं रहा। भिन्न-भिन्न आक्रांताओ के शासनकाल में भारत में सांस्कृतिक एवं सभ्यता की दृष्टि से ज़रूर कुछ परिवर्तन हुए। कुछ परिवर्तन तो तात्कालिक थे जो समय के साथ ठीक हो गए, लेकिन कुछ स्थाई हो गए। जब तक भारत पर आक्रांताओं का शासन था तब तक हम पर परतंत्रता थी। सन् 1947 की तथाकथित सत्ता के हस्तांतरण के उपरांत शारीरिक परतंत्रता तो एक प्रकार से समाप्त हो गई किंतु मानसिक परतंत्रता से अब भी हम जूझ रहे हैं। यह अपनी सभ्यता एवं संस्कृति के लिए जुझारूपन हमारे रक्त में है, जो कभी समाप्त नहीं हो सकता। इसी के कारण हमारी वर्तमान संस्कृति में अधकचरापन आ गया है न पूरी ताक़त से विदेशी हो पाए, न पूरी ताक़त से भारतीय हो पाए, हम बीच के हो गए, खिचड़ी हो गए। एक सबसे बड़ा विकार स्थानीय भाषा एवं बोली के पतन के रूप में आया। हम आसाम में, बंगाल में, गुजरात में, महाराष्ट्र में रहते हैं, वहीं की बोली बोलते हैं, लिखते हैं, समझते हैं परंतु सब सरकारी कार्य हेतु अंग्रेज़ी ओढ़नी पड़ती है। यह विदेशीपन, अंग्रेज़ीपन के कारण और भी भयावह स्थिति का तब निर्माण होता है जब नन्हे-नन्हे बालकों को कान उमेठ-उमेठ कर अंग्रेज़ी रटाई जाती है। सरकार के आँकड़ों के अनुसार जब प्राथमिक स्तर पर 18 करोड़ भारतीय छात्र विद्यालय में प्रथम कक्षा में प्रवेश लेते हैं तो अंतिम कक्षा जैसे उच्च शिक्षा जैसे अभियांत्रिकी (इंजीनियरिंग), चिकित्सा (मेडिकल), संचालन (मैनेजमेंट) आदि तक पहुँचते-पहुँचते तो 17 करोड़ छात्र/छात्राएँ अनुतीर्ण हो जाते हैं, केवल एक करोड़ उत्तीर्ण हो पाते हैं। भारत सरकार ने समय-समय पर शिक्षा पर शोध एवं अनुसंधान के लिए मुख्यतः तीन आयोग बनाए, दौ. सि. कोठारी (दौलत सिंह कोठारी), आचार्य राममूर्ति एवं एक औरज सभी का यही मत था की यदि भारत में अंग्रेज़ी माध्यम की शिक्षा व्यवस्था न हो अपितु शिक्षा स्थानीय एवं मातृभाषा में हो तो यह जो 18 करोड़ छात्र हैं, सब के सब उत्तीर्ण हो सकते हैं, उच्चतम स्तर तक।

भारत की संस्कृति प्रशांत महासागर के समान गहरे हृदय वाली है। इसकी सांस्कृतिक अखंडता को बचाने और संस्कृति के संरक्षण हेतु भी जनभाषा हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनना चाहिए। भारतीय भाषाएँ अभी भी विदेशी भाषाओं के वर्चस्व के कारण दम तोड़ रही रही हैं। एक समय आएगा जब देश की एक भाषा हिन्दी तो दूर बल्कि अन्य भारतीय भाषाओं की भी हत्या हो चुकी होगी, इसलिए राष्ट्र के तमाम भाषा हितैषियों को भारतीय भाषाओं में समन्वय बना कर हिन्दी भाषा को राष्ट्र भाषा बनाना होगा और अंतर्राज्यीय कार्यों को स्थानीय भाषाओं में करना होगा। हिन्दी को इसके वास्तविक स्थान पर स्थापित करने के लिए सर्वप्रथम यह आवश्यक है कि इसकी स्वीकार्यता जनभाषा के रूप में हो। यह स्वीकार्यता आंदोलनों या क्रांतियों से नहीं आने वाली है। इसके लिए हिन्दी को रोज़गारपरक भाषा के रूप में विकसित करना होगा क्योंकि भारत विश्व का सबसे बड़ा बाज़ार है और बाज़ार मूलक भाषा की स्वीकार्यता सभी जगह आसानी से हो सकती है। साथ ही, अनुवादों और मानकीकरण के ज़रिए इसे और समृद्धता और परिपुष्टता की ओर ले जाना होगा।

भारतीय राज्यों में समन्वय होने के साथ-साथ प्रत्येक भाषा को बोलने वाले लोगों के मन में दूसरी भाषा के प्रति भरे हुए गुस्से को समाप्त करना होगा। जैसे द्रविड़ भाषाओं का आर्यभाषा, नाग और कोल भाषाओं से समन्वय स्थापित नहीं हो पाया, उसका कारण भी राजनीति की कलुषित चाल रही, अपने वोटबैंक को सहेजने के चक्कर में नेताओं ने भाषाओं और बोलियों के साथ-साथ लोगों को भी आपस में मिलने नहीं दिया। इतना बैर दिमाग़ में भर दिया कि एक भाषाई दूसरे भाषाई को अपना निजी शत्रु मानने लग गया, जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए था। राष्ट्र की सांस्कृतिक विखण्डताओं को जब एक ही बात से हल किया जा सकता है, तब भारत के राजनैतिक आकाओं का ध्यान क्यों नहीं जाता? क्या राजनीति भी अर्जुन गाण्डीव धर्म से ही समझते हैं ? क्योंकि भारत है तो अहिंसा प्रधान राष्ट्र पर वे ये क्यों भूल जाते हैं कि जब-जब राष्ट्र की अखंडता पर विपत्ति आई है तब-तब इसी राष्ट्र में कृष्ण सुदर्शन उठाते हैं और महाराणा प्रताप और शिवाजी भी पैदा होते हैं। आज विपत्ति का पहाड़ तो राष्ट्रभाषा हिन्दी पर भी आ गया है। नेता भाषा के नाम पर केवल अपनी राजनैतिक रोटियाँ सेक रहे हैं, परन्तु वे शायद भूल गए कि इसी भाषा की स्थापना में राष्ट्र की समस्त सांस्कृतिक समस्याओं का समाधान पल रहा है। इसी दिशा में भारत के हृदय मध्यप्रदेश के इंदौर से मातृभाषा उन्नयन संस्थान व हिन्दीग्राम के माध्यम से हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाने की दिशा में हिन्दी में हस्ताक्षर करने के भाव प्रेरित करना व हिन्दी को रोज़गारमूलक भाषा बनाने का महाअभियान चलाया जा रहा है। इसी तारतम्य में राष्ट्रभाषा और राजभाषा के भ्रम को हटाने और हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाने के साथ ही हिन्दी के गौरव की स्थापना हो सकेगी और इसी के साथ भारत की सांस्कृतिक अखंडता अक्षुण्ण रहेगी। आओ हिंद के गौरव की पुनर्स्थापना की जाए, मिलकर हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाएँ। चूंकि वैश्विक आलोक में भारत की प्रतिनिधि भाषा के रूप में हिन्दी की स्वीकार्यता है, इसी दृष्टिकोण से हमें अपने देश में भी हिन्दी को अधिकाधिक महत्त्व देना चाहिए। यह नए दौर का भारत है, जो पुनः विश्व गुरु बनने की राह पर है।

संपादकीय

विशेष सत्र का गोपनीय एजेंडा!

अब यह साफ हो गया है कि संसद का विशेष सत्र शुरू होने से एक-दो दिन पहले तक सरकार इसक एजेंडा गोपनीय रखेगी। सोनिया गांधी की चिट्ठी के जवाब में संसदीय कार्य मंत्री प्रहलाद जोशी ने लिखा है कि सब कुछ परंपरा और नियम के हिसाब से हो रहा है। हर बार सरकार सत्र से पहले सभी दलों की बैठक बुलाती है, जिसमें एजेंडा बताया जाता है। इस बार भी ऐसा ही किया जाएगा। हालांकि जब नियमित सत्र होते हैं तब के लिए यह बात ठीक है कि सरकार दो दिन पहले एजेंडा बताती है। लेकिन जब विशेष सत्र बुलाया गया है तो जाहिर है कि उसमें रूटीन के काम नहीं होने हैं। किसी खास मकसद से सत्र बुलाया गया है तो उसका एजेंडा पहले बताया जाना चाहिए। लेकिन ऐसा लग रहा है कि सरकार हर चीज को गोपनीय रखने और एकदम से लोगों को चौंका देने के अपवाद को अपने कामकाज का नियम बना लिया है। बहरहाल, जानकार सूत्रों का कहना है कि संसद के विशेष सत्र में कोई विधेयक नहीं पेश किया जाएगा। विपक्ष को दो बातों की चिंता है। पहली बात तो यह कि क्या सरकार एक देश, एक कानून का बिल ला सकती है? लेकिन इसकी कोई संभावना नहीं है। क्योंकि पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में जो कमेटी बनी है उसकी एक भी बैठक नहीं हुई है। पहले सदस्यों की औपचारिक बैठक होगी। उसमें उस मकसद पर चर्चा होगी, जिसके लिए कमेटी बनाई गई है। उसके बाद राज्यों, राजनीतिक दलों, चुनाव आयोग, सिविल सोसायटी आदि से सलाह-मशविरा होगा। पहली बैठक जी-20 शिखर सम्मेलन के बाद ही होगी। सो, यह संभावना नहीं है कि कमेटी 18 सितंबर तक कोई रिपोर्ट दे पाएगी। दूसरी चिंता यह है कि संविधान में संशोधन करके देश का नाम सिर्फ भारत रखने का फैसला हो सकता है। लेकिन यह भी नहीं होना है। जानकार सूत्रों का कहना है कि सरकार इंडिया और भारत दोनों नाम रखने के पक्ष में है लेकिन भारत का ज्यादा इस्तेमाल किया जाएगा। नाम का विवाद शुरू होने के बाद केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि इंडिया, भारत या हिंदुस्तान कहिए पर हमारे खिलाड़ी ढेर सारे पदक जीत कर लाएंगे। यह एक संकेत है इस बात का कि सरकार नाम नहीं बदलने वाली है। दोनों सदनों की साझा बैठक की भी कोई योजना नहीं है। अब रही बात कि विशेष सत्र में क्या हो सकता है? जानकार सूत्रों के मुताबिक कोई विधेयक लाने की बजाय सरकार की ओर से तीन या चार प्रस्ताव पेश किए जा सकते हैं। उन प्रस्तावों पर चर्चा के बाद ध्वनिमत से उन्हें पास कराया जाएगा। पहला प्रस्ताव जी-20 के सफल आयोजन के लिए प्रधानमंत्री मोदी के अभिनंदन का हो सकता है। दूसरा प्रस्ताव चंद्रयान-तीन की सफलता का हो सकता है। उसमें इसरो को वैज्ञानिकों के साथ साथ मोदी और सरकार की सराहना की जाएगी। तीसरा प्रस्ताव 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प का हो सकता है। इस पर प्रधानमंत्री मोदी विस्तार से बोल सकते हैं। इससे अगले चुनाव का एजेंडा तय हो सकता है। ऐसा भी कहा जा रहा है कि एक प्रस्ताव पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को लेकर भी हो सकता है और एक प्रस्ताव चीन की निंदा का भी हो सकता है। लेकिन ये सारी अटकलें हैं।

घोषणापत्र मंजूर, अमेरिका से बेड़ा पार!

श्रुति व्यास

करीब 3.30 बजे टीवी स्क्रीनों पर अचानक प्रधानमंत्री मोदी प्रकट हुए। वे उत्साह से लबरेज थे। उन्होंने कहा- नई दिल्ली घोषणापत्र को सभी देशों ने एकमत से स्वीकार कर लिया है। इस संक्षिप्त बयान के बाद उन्होंने वहां मौजूद ऑफिसियल मीडिया के पत्रकारों को बाहर जाने को कहा। स्वभाविक जो मीडिया सेंटर में हलचल हुई। तभी जयशंकर की प्रेस कान्फ्रेंस होने की अटकल सच सिद्ध हुई। प्रेस कान्फ्रेंस में विदेश मंत्री के साथ वित्त मंत्री, और जी-20 शेरपा भी मौजूद थे। मीडिया को आधिकारिक रूप से बताया गया कि जी-20 सम्मेलन में सभी देशों के सहयोग से नई दिल्ली घोषणापत्र को सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया है। जयशंकर ने कहा कि इसका मतलब है कि अब भारत वैश्विक पटल पर अपना स्थान पा चुका है। अमिताभ कांत, जो बहुत रोमांचित और खुश नजर आ रहे थे, ने कहा कि इस घोषणापत्र को बिना एक भी फुटनोट के स्वीकार किया गया है। यूक्रेन-रूस युद्ध के बारे में कांत ने कहा कि भूराजनैतिक स्थिति के सम्बन्ध में जो पैरा हैं, उनमें आज की दुनिया में प्लेनेट, पीपुल, पीस एवं प्रोस्पेरिटी का आव्हान है जिससे पता चलता है कि प्रधानमंत्री मोदी दुनिया के नेता बन चुके हैं! सो कुल मिलाकर घोषणा पत्र का झंझट, सस्पेंश खत्म। जो आखिर में होना था वह पहले दिन ही हो गया। यूक्रेन के जिस मुद्दे और पैरे को ले कर जी-20 की सर्वमान्य घोषणापत्र परंपरा में रूकावट आती लगती थी वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस जोशीले वाक्य से खत्म हुई कि इतिहास रचा गया। फ्रेंड्स अभी अभी खुशखबरी मिली है कि हमारी टीम्स के हार्डवर्क और आप सभी के सहयोग से नई दिल्ली जी-20 लीडर्स डिक्लेरेशन पर सहमति बनी है। मेरा प्रस्ताव है कि इस लीडर्स डिक्लेरेशन को भी एडॉप्ट किया जाए। रूस-यूक्रेन युद्ध के मामले में किन शब्दों का प्रयोग किया जाए, इसको लेकर जो तनातनी या असहमतियां थी वह गोलमोल पैरे से खत्म हुई। न रूस के यूक्रेन हमले का जिक्र हुआ और न बाली के वाक्य दोहराए गए। कुल मिलाकर मोदी के लिए जी20 सफल रहा है। न तो कोई बाधाएं आईं, न उनसे कोई प्रश्न पूछे गए और ना ही कोई आलोचना हुई। उन्होंने वैश्विक मीडिया को किनारे रखकर भी सभी देशों का सहयोग हासिल कर लिया। ले देकर बाली की भाषा के बजाय संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव की ओर ध्यान दिला प्रतिबंधों में ढील देने की रूस की मांग के मद्देनजर रूस और यूक्रेन से अनाज, खाद्य सामग्री और खाद की फौरी और बेरोकटोक आपूर्ति संभव बनाने की अपील हुई है। जाहिर है अमेरिका और पश्चिमी देशों ने भारत की अध्यक्षता के खातिर अपने रूख को ढीला रखा। बहरहाल, आज दिन की शुरूआत जल्दी हो गई। जहां दिल्ली छुट्टी पर थी वहीं मीडियाकर्मियों को सूरज की पहली किरण के साथ उस जगह पहुंचना था जहां से बसें उन्हें प्रगति मैदान ले जाने वालीं थीं। सुबह 8.30 बजे तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मीडिया अपने-अपने निर्धारित स्थानों पर पहुंच चुके थे। प्रधानमंत्री भारत मंडपम में और मीडिया, अंतर्राष्ट्रीय मीडिया सेंटर में चारों ओर लगाई गई विशाल स्क्रीनों के सामने। इस डायरी के साथ प्रकाशित फोटो से आपको यह अनुमान लग जाएगा कि भारत और दुनिया के फोटो एवं टीवी पत्रकार इस प्रतिष्ठित और विशाल जी-20 सम्मेलन का कवरेज किस तरह कर रहे हैं। जहां सभी कैमरे बाइडन और मोदी की गलबहियों की बेसब्री से प्रतीक्षा कर रहे थे वहीं मैं उन गणमान्य लोगों की चाल-ढाल देख रही थी जो लाल कालीन पर चलकर जा रहे थे। कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो की चाल में जिंदादिली थी तो ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की मोहक मुस्कान और नमस्ते मुझे बहुत अच्छी लगी। जर्मन चासंलर ओलाफ शुल्ट्ज, एक आंख पर काली पट्टी लगी होने के कारण समुद्री लुटेरे नजर आ रहे थे। तुर्की के राष्ट्रपति अर्दोआन का चेहरा तो कड़क था लेकिन चाल कमजोर। रूसी विदेशमंत्री सर्गेई लावरोव सम्मेलन की आभा में इतने खो गए कि गिरते-गिरते बचे। लेकिन जिसने सबका ध्यान सबसे ज्यादा खींचा वे थीं इटली की प्रधानमंत्री ज्योर्जा मेलोनी जो अपने नीले पेंट-सूट में शानदार लग रहीं थीं। वे ग्लैमरस तो थी हीं उनके चेहरे पर ऐसे व्यक्ति के भाव थे जिसे यह पता रहता है कि उसके हुक्म का पालन तो होगा ही। सबसे जानदार एंट्री थी 81 साल के अमरीकी राष्ट्रपति जो बाइडन की। वे अपने ट्रेडमार्क रे बेन पहने हुए बीस्ट से उतरे। इस उम्र में भी और चलने में थोड़ी मुश्किल होने के बाद भी उनके रूआब में कोई कमी नहीं थी। अमरीकी राष्ट्रपति ही नहीं बल्कि ज्यादातर विश्व नेता और अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओ के प्रमुख बूढ़े हो चले हैं और यह उनकी चाल और डील-डौल दोनों में दिखता है।

ऐसा त्यौहार जिसका इंतजार साल भर बेटियों को रहता है- पोरा तिहार

कोई भी राज्य हो उसकी सार्थक पहचान उनकी संस्कृति से होती हैं। इसमें हमारा राज्य छत्तीसगढ़ देश का एक ऐसा राज्य हैं जहाँ मुख्य फसल धान है; जिसके कारण इसे धान का कटोरा कहा जाता है। छत्तीसगढ़ में अनेक लोक पर्व व त्यौहार मनाए जाते हैं। इन सारे पर्व व त्यौहार में एक खास व महत्वपूर्ण त्योहार है-पोरा तिहार। छत्तीसगढ़ में किसानों का सबसे प्रसिद्ध और पारंपरिक पर्व पोरा है। यह त्यौहार किसानों और खेतिहर मजदूरों के लिए विशेष महत्व रखता है। यह पर्व खरीफ फसल के द्वितीय चरण का काम यानि कि निंदाई और गुड़ाई पूरा होने पर मनाते हैं अर्थात् यह पर्व किसान अपनी फसलों के बढ़ने की खुशी और अपने बैलों की पूजा करके उनके प्रति अपनी सदभावना /कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए इस पोरा तिहार मनाते हैं। जिनके पास खेत नहीं हैं वे भी इन उत्सवों के दौरान मिट्टी के बैलों की पूजा करके अपना सम्मान व्यक्त करते हैं। यह दिन किसानों और उनके बैलों के बीच भक्ति और सहयोग का प्रतीक है, जो दिन-रात उनकी अथक सेवा करते हैं। यह खूबसूरत त्योहार जरिया होता है जो अपनी माटी से जुड़ने का उसके महत्व को समझने का।

पोरा प्रमुखत: किसान भाइयों का ही त्योहार है। पोरा के दिन गांवों में मिट्टी से बने नांदिया बैल व पोरा चक्की की पूजा की जाती है। ठेठरी-खुरमी का भोग लगाकर बच्चों को खेलने दिया जाता है। गांवों की गलियों व सड़कों पर बच्चों को नांदिया बैल से खेलते नजर आते हैं। दूसरी ओर ग्रामीण बालिकाएं पोरा यानी चक्की में रेत डालकर प्रतीकात्मक रूप से आटा पीसने का काम करती है। हालांकि अब गांवों में भी जांता यानी चक्की का प्रचलन कम हो गया है। इसका स्थान आटा-चक्की ने ले लिया है।

छत्तीसगढ़ के अलावा यह पोरा त्योहार महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक जैसे राज्यों में भी उत्साहपूर्वक मनाया जाता है। कई स्थानों में किसान इन दिनों अपने बैलों को बड़े गर्व और खूबसूरती से सजाए गए बैलों का प्रदर्शन भी करते हैं।

पोरा तिहार कब मनाया जाता हैं ? : पोरा पर्व भादों माह की अमावस्या, जिसे पिठोरी अमावस्या कहा जाता हैं, के दिन मनाया जाता है ।

पोरा पर्व को महत्व :- पोरा पर्व कृषि में सबसे ज्यादा योगदान देने वाले जानवर जैसे कि बैल को सम्मान देने और उनकी पूजा करने के लिए मनाते है। अपनी खेती में मदद मिलने के कारण से किसान बैलों और बाकी पशुओं को अपनी तरक्की का कारण समृद्धि का प्रतीक और अपने घर के सदस्य मानकर इनकी पूजा किया करते हैं। पोरा का पर्व हर इंसान को जानवरों का सम्मान करना सिखाता है।

पोरा तिहार कैसे मनाया जाता हैं? : पोरा पर्व की शुरुआत पूर्व रात्रि से होती हैं यानि कि अगर पोरा पर्व गुरुवार को होता है तो बुधवार की रात्रि को ही गर्भ पूजन किया जाता हैं। मान्यता है कि इसी दिन अन्न माता गर्भ धारण करती है यानि कि धान के पौधों में दूध भरता है, जिसे स्थानीय रूप से पोर आना कहते है। रात्रि में जब गांव में सभी सो जाते हैं तो गांव का बैगा/ मुखिया और कुछ पुरूष सहयोगियों को साथ लेकर गांव और गांव के बाहर में प्रतिष्ठित सभी देवी देवताओं के पास जाकर खास पूजा अर्चना किया करते हैं। कही- कही यह पूजन रात भर चलता हैं। जहां रात्रि के पूजन का प्रसाद उसी जगह पर ही ग्रहण किया जाता है तथा प्रसाद घर ले जाने की मनाही रहती है। इस पूजा की खास बात यह है कि इस पूजन में वो व्यक्ति शामिल नहीं हो सकता; जिसकी पत्नी गर्भवती हो और साथ ही इस पूजन में जाने वाला कोई भी व्यक्ति जूते चप्पल पहनकर नहीं जा सकता। चुंकि ये पूजन पोरा पर्व के पूर्व रात्रि में होता है, इसलिए दूसरे दिन यानि कि पोरा पर्व के दिन खेतों में जाने की अनुमति नहीं होती हैं। सुबह होते ही यानि कि पोरा के दिन घर की महिलाएं छत्तीसगढ़ी पकवान बनाती हैं। जैसे कि गुहा चीला, अनरसा, सोहरी, चौसेला, ठेठरी, खुरमी, बरा, भजिया, तसमई आदि। इस दिन किसान अपनी बैलों को नहलाते और उनके सींग व खुर में पॉलिश लगाकर सजाते हैं और गले में घुंगरू, घंटी या फिर कौड़ी से बने आभूषण पहनाकर पूजा करके आरती उतारकर उनके प्रति अपनी सदभावना /कृतज्ञता व्यक्त करते है।

पोरा के दिन कुम्हार के पास से मिट्टी के पके हुए बैल खरीदे जाते है । मिट्टी के बने चक्के, चूल्हा, कढ़ाई और बर्तन भी खरीदे जाते है। इस दिन घर के पुरूष बच्चों के लिए मिट्टी के बने खिलौने; जिसमें लड़के के लिए मिट्टी के बैल और लड़कियों के लिए रसोईघर व गृहस्थी में उपयोग होने वाले बर्तन के खिलौने जैसे चुकिया, चुल्हा, थाली इत्यादि लाकर पहले इन सभी की पूजा की जाती हैं और इसके पश्चात मिट्टी के बने बैल के पैरों में चक्के लगाकर सुसज्जित करके बेटों को खेती के कार्य समझाने का प्रयास किया जाता है। वहीं बेटियों को रसोईघर में उपयोग में आने वाली छोटे-छोटे मिट्टी के बर्तन पूजा करके खेलने के लिए दिया जाता है; जिससे कि बेटियां रसोईघर व गृहस्थी की संस्कृति और परंपरा को समझ सकें। बच्चे नांदिया-बैल व पोरा-चक्की से खेलने में मगन रहते हैं। पूजा करने के बाद नांदिया बैल को छत्तीसगढ़ के प्रमुख व्यंजन ठेठरी-खुरमी का भोग लगाया गया। पूजा के पश्चात भोजन के समय अपने रिश्तेदारों व करीबियों को सम्मान के साथ आमंत्रित करके एक दूसरे के घर जाकर भोजन करते हैं।

कई स्थानों पर पोरा पर्व के दिन छत्तीसगढ़ में गेड़ी का जुलूस निकलता है। ज्ञातव्य हो कि गेड़ी बांस से बनाया जाता हैं; जिसमें एक लंबा बांस में नाचे 1 से 2 फीट ऊपर आड़ा करके छोटा बांस लगाकर उस पर बैलेंस करके खड़े होकर चला जाता है। गेड़ी कई साइज की बनती हैं और यह एक प्रकार का खेल है; जिसमें बच्चे व बड़े सभी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। इसके अलावा युवा कबड्डी, खोखो और अन्य खेलों जैसी मनोरंजक गतिविधियों में शामिल होते हैं, जो उत्सव में एक जीवंत और उत्सवपूर्ण माहौल जोड़ते हैं।

पोरा तिहार से शुरू होगा तीज के लिए लिवाने आने का सिलसिला :- बेटियों को तीज का त्योहार मनाने के लिए ससुराल से मायके लाने का सिलसिला पोरा के दिन से शुरू हो जाता है। इस कारण पोरा के दिन बसों व लोकल ट्रेनों में दूसरे दिनों की अपेक्षा ज्यादा भीड़ देखी जा सकती है। पिता या भाई जब ससुराल पहुंचते हैं तो तीजहारिनों की खुशी का ठिकाना नहीं रहता। दरअसल वे मायके आकर पोरा के तीन दिन बाद पति के दीर्घायु के लिए तीज का व्रत रखती हैं। इस पर्व के पहले दिन रात कड़ू (कड़वे) भात यानी करेला की सब्जी खाने की परंपरा बरसों से चली जा आ रही है। पोरा के चौथे दिन गणेश चतुर्थी का आयोजन किया जाता है तथा इसी दर्मियान मेहनतकश समुदाय द्वारा निर्माण के देवता विश्वकर्मा जी की भी पूजा किया जाता है। इस प्रकार पूरा हफ्ता उत्सव मय रंगो से सराबोर होता है। यह ऐसा त्यौहार है जिसका इंतजार साल भर बेटियों को रहता है।

- डॉ. जीतेन्द्र सिंगरौल
मोछ (तखतपुर),
जिला बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

सार-समाचार

धर्मरक्षा वाहिनी सिमगा द्वारा दही हाण्डी, रक्षासूत्र एवं भारत माता की आरती का कार्य म संपन्न हुआ

चंद्रप्रकाश टोंडे सिमगा : वार्ड क्रमांक 05 ब्राम्हण कॉलोनी में धर्मरक्षा वाहिनी जिला संयोजिका श्रीमती स्वर्णा शर्मा, शारदा भोसले, बंसती गुप्ता, के नेतृत्व में दही हाण्डी, रक्षासूत्र एवं भारत माता की आरती का कार्यक्रम रखा गया था। जिसमें छोटे-छोटे बच्चों द्वारा राधाकृष्ण बनकर झांकी प्रस्तुत की वार्ड की महिलाओं ने राधाकृष्ण की पूजा अर्चना कर दही हाण्डी का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में विशेष रूप से रत्ना सोनी, ममता देवांगन पदमनी साहू, गितेश्वरी साहू, मनीषा साहू, पुष्पा निर्मलकर, कल्पना शर्मा, नेहा शर्मा, किरण शर्मा, बसंती देवांगन, संध्या तिवारी, शंकुनतला देवांगन, भुनेश्वरी देवांगन, नंदनी छोटी देवांगन, संगीता पाण्डेय, लता शर्मा, अनिता शर्मा, सुधा महेश्वरी, हेमलता साहू विशेष रूप से उपस्थित थे।

29 आंदोलनकारी जेल से रिहा होते ही कहा आजादी के 75 साल बाद भी जाति एवं जातिवाद से मुक्ति नहीं मिल पाई

चंद्रप्रकाश टोंडे सिमगा- 267 फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर नौकरी कर रहे लोगों के खिलाफ कार्यवाही मांग को लेकर सैकड़ो की संख्या में विधानसभा रोड में नग्न प्रदर्शन कर रहे सामाजिक कार्यकर्ता संजीत बर्मन सहित 29 कार्यकर्ताओं को विभिन्न धाराओं के तहत गिरफ्तार कर केंद्रीय जेल रायपुर भेज दिया गया था 56 दिन बाद हाई कोर्ट से जमानत मिला आंदोलनकारी नेताओं का सिमगा आगमन पर कार्यकर्ताओं में खुशी दिखी एक दूसरे से आपस में गले मिले बधाई शुभकामनाए दी वही संजीत बर्मन कार्यकर्ताओं को संबोधित कर कहा हमें भारत देश के आजादी के 75 साल बाद भी जाति एवं जातिवाद से मुक्ति नहीं मिल पाई हमें सामाजिक समानता हासिल करने के लिए आज भी कड़ी संघर्ष का सामना करना पड़ रहा है। जेल में रहने वाले कैदी ज्यादातर सतनामी समाज के लोग है कैदियों से पूछने पर पता चला कि अपने समाज के बीच आपस में ही एक दूसरे से मारपीट झगड़ा कर चोरी जैसे कई संगीन अपराध कर जेल में है। क्योंकि इनका कारण समाज में फैले अंधविश्वास कुरीतिया अशिक्षा है सबसे पहले इसी बीमारी को दूर करने की जरूरत है। परमानंद बंजारे ने कहा कांग्रेस बीजेपी के सरकार ने हमारे समाज के लोगों का शोषण कर रहा है इस बात को समाज के युवाओं को समझने की जरूरत है समाज का दल ही बल है और आने वाले विधानसभा चुनाव में सरकार को अपनी बल जरूर दिखाएं इसी बीच उपस्थित विवेक ओगरे, रविंद्र भारती, शत्रुहन मारकंडे, तोपसिंह ,रूपेश ,राज , राम,दिलीप,तरुण,आकाश,किशन, रोशन,घासी,गुलशन,भूपेंद सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पीडब्ल्यू विद्यापीठ का शुभारंभ

राजनांदगांव। फिजिक्स वाला (पीडब्ल्यू) भारत में बड़े पैमाने पर शिक्षा को उदार बनाने वाला अग्रणी यूनिकॉर्न एड-टेक कंपनी है। यह भारत भर में तकनीक से सुसज्जित 26 नए ऑफ़्लाइन सेंटर, पीडब्ल्यू विद्यापीठ की शुरुआत कर रहा है। पीडब्ल्यूएनएसएटी 2023 (फिजिक्स वाला नेशनल स्कॉलरशिप कम एडमिशन टेस्ट) के माध्यम से छात्रों के पास 100त्न तक छात्रवृत्ति प्राप्त करने का अवसर है। पीडब्ल्यूएनएसएटी के माध्यम से पीडब्ल्यू मेधावी छात्रों को 200 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान कर रहा है। परीक्षा ऑफ़्लाइन और ऑनलाइन दोनों मोड में आयोजित की जाएगी। यह कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों के साथ ड्रॉपर्स के लिए भी उपलब्ध होगी, जो जेईई या नीट की तैयारी करने के इच्छुक हैं। पीडब्ल्यू एनएसएटी परीक्षा 1, 8 और 15 अक्टूबर 2023 को ऑफ़्लाइन मोड में आयोजित की जाएगी और ऑनलाइन मोड में छात्र 1 से 15 अक्टूबर 2023 तक परीक्षा दे सकते हैं। परीक्षा के लिए पंजीकरण पीडब्ल्यू वेबसाइट, ऐप या निकटतम ऑफ़्लाइन विद्यापीठ सेंटर पर 15 अक्टूबर, 2023 तक कराया जा सकता है। परीक्षा के परिणाम 20 अक्टूबर, 2023 को घोषित किए जाएंगे।

पाठ्यपुस्तक निगम के अध्यक्ष शैलेष नितिन त्रिवेदी ने किया खेल खिलौना संग्रहालय का शुभारम्भ

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति व माननीय मुख्यमंत्री जी की आकांक्षाओं अनुरूप खेल खिलौना संग्रहालय

चंद्रप्रकाश टोंडे सिमगा

प्रदेश में बहुत सारे पुरा महत्त्व के संग्रहालय स्थापित है , जो जन सामान्य को पौराणिक व ऐतेहासिक जानकारी देते है । पर शासकीय प्राथमिक शाला पौसरी की एक शिक्षिका भारती वर्मा ने अपने शाला में एक अनोखे संग्रहालय की स्थापना की है , जिसे नाम दिया है खेल खिलौना संग्रहालय । जहां पर विभिन्न प्रकार के खेल खिलौनों की जानकारी सहज ही उपलब्ध है । यहाँ पर आप लकड़ी, मिट्टी, कागज़,गत्ते व घर के अनुपयोगी वस्तुओं से बने खिलौनों को देख सकते है । ये खिलौने न सिर्फ खेलने के लिए बल्कि बच्चों को उनके पुस्तक के पाठ को समझने में सहायता करते है । खास बात ये भी है कि सभी खिलौने शिक्षिका व बच्चों ने मिलकर अलग अलग समय पर शाला में ही खिलौना निर्माण कार्यशाला लगाकर तैयार किया है । संग्रहालय में छत्तीसगढ़ के पारम्परिक व स्थानीय खेलो व खिलौनों को संग्रहित व संरक्षित करने का एक नवाचारी पहल किया है ।

समुदाय के सहयोग से स्थापित- शिक्षिका भारती वर्मा ने बताया कि मन में विचार आया कि क्यों न छत्तीसगढ़ के सभी पारम्परिक व स्थानीय खेल खिलौनों को एक छत के निचे एकत्र कर बच्चों को उनसे अवगत कराया जाय ताकि बच्चें उन्हें जान सके और खेलों के महत्व को समझ सके । शाला की प्रधान पाठक पुष्पलता नायक के प्रेरणा से स्थानीय पर्व छेरछेरा के तर्ज पर मै घर-घर जाकर पुराने खिलौनों को इकठ्ठा करने का काम करने लगी । प्राप्त खिलौने कुछ उपयोगी व कुछ अनुपयोगी थे । पुराने बुजुर्गो से स्थानीय व प्रचलित खेलों की जानकारी भी एकत्र की , जो आज के बच्चे नहीं खेलते है या अब मोबाइल के युग में प्रचलन में नहीं है । संग्रहालय के भौतिक निर्माण में ग्राम के चंद्रशेखर साहू जी व ठगेश बारले जी ने आर्थिक सहयोग भी किया । इस तरह से मेरा एक छोटा सा प्रयास आकार ले पाया । सीमित संसाधन में अधिकतम खेल खिलौनों को सहेजने का प्रयास है । ताकि अन्य शाला के शिक्षक भी इससे प्रेरित होकर बेहतर कर सके ।

नई राष्ट्रीय शिक्षा के अनुरूप
नई राष्ट्रीय शिक्षा 2020 में खेल आधारित शिक्षण को बढ़ावा देने का प्रावधान किया गया है ताकि बच्चे खेल खेल में आनंदमयी तरीके से पाठ की अवधारणाओं को सीख व समझ सके । खिलौने न सिर्फ बच्चों का मनोरंजन करते है बल्कि बच्चों के शारीरिक,मानसिक,सामजिक व सामुदायिक भावना का भी विकास करते है । हृष्टश्वक्रञ्ज के निर्देशों अनुरूप शाला में जादुई पिटारा का निर्माण भी किया गया है , जिसे कक्षा 1 व 2 के बच्चों को सिखाने के लिए उपयोग किया जाता है । जादुई पिटारा का सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुआ है ।

खेल खिलौना संग्रहालय क्यों- हमारे प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय भूपेश बघेल जी ने 5 से 6 वर्षों के बच्चों के बेहतर शिक्षा के लिए नई शिक्षा नीति का शुभारम्भ किया है , जिसका नाम छत्तीसगढ़ बालवाडी योजना रखा गया है , इसमें जितने भी आंगनवाडी केंद्र शाला परिसर में है उसे बालवाडी के रूप में परिवर्तित किया जा रहा । जिसमें से एक शाला हमारा भी है । इस योजना का शुभारंभ 'जाबो बालवाड़ी बढ़ाबो शिक्षा के गाड़ी' थीम के साथ किया गया है। जिनमें खेल-खेल में बच्चों के सिखने एवं समझने की क्षमता में विकास किया जाएगा । माननीय मुख्यमंत्री जी ने स्थानीय खेलों को बढ़ावा देने व संरक्षित करने के लिए छत्तीसगढ़ ओलम्पिक का आयोजन गाँव गाँव में कराया है । जिसमे सभी आयु वर्ग के बच्चे ,जवान ,बुजुर्ग स्त्री पुरुष भाग ले सकते है । शासकीय शालाओं में खेल गढ़िया के तहत खेल सामाग्रियां प्रदाय की जा रही है । माननीय मुख्यमंत्री जी के निर्देशों व आकांक्षाओं को हमारा खेल खिलौना संग्रहालय पूरा करने का प्रयास कर है । इसी उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए हमने हमारे शाला के बच्चों को खेल खिलौने के महत्त्व से परिचित कराने के लिए शाला स्तर पर उन्हें प्रदर्शित,संरक्षित व शैक्षिक उपयोग करने के लिए एक संग्रहालय स्थापित करने का प्रयास किया है और उसे खेल खिलौना संग्रहालय का नाम दिया है ।

पाठ्यपुस्तक निगम के अध्यक्ष शैलेष नितिन त्रिवेदी ने किया खेल खिलौना संग्रहालय का शुभारम्भ- इस अनोखे नवाचारी खेल खिलौना संग्रहालय का शुभारम्भ छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम के अध्यक्ष शैलेष नितिन त्रिवेदी जी ने किया । इस अवसर पर ग्राम पंचायत की सरपंच उमेश्वरी बारले, जनपद सदस्य हेमिन साहू , शाला प्रबंध समिति के अध्यक्ष धनीराम साहू , चंद्रशेखर साहू, ठगेस बारले, विकासखंड शिक्षा अधिकारी राकेश सिंह,एबीईओ डी.एस. ठाकुर, बीआरसी एस.के.पाटकर, प्रधान पाठक पुष्पलता नायक, कांग्रेस नेता चन्दकुमार साहू, छाया विधायक सुनील माहेश्वरी जी, टगन बराले जी, पत्रकार चंद्रप्रकाश टोंडे जी विकासखंड के संकुल समन्वयक , अन्य शालाओं के शिक्षक सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे ।

केंद्र की सरकार ने आम जनों की सुविधा से रेल को हटा उद्योगपतियों के सुविधा में लगा दिया - अशोक श्रीवास्तव

कांग्रेस ने किया रेल रोको आंदोलन और आम सभा

एमसीबी(चिरमिरी भारत भास्कर)- प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी जिला अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव के नेतृत्व में आज मनेंद्रगढ़ में रेल रोको आंदोलन एवं आम सभा का आयोजन किया गया।

आम सभा को संबोधन करते हुए अशोक श्रीवास्तव ने कहा कि मोदी सरकार ने आम जनों के सुविधाओं से रेल को हटा दिया है एवं रेल को उद्योगपतियों के सुविधाओं में लगा दिया है, नगर पालिका अध्यक्ष प्रभा पटेल ने कहा कि आज इस देश में लगातार लगभग 67000 ट्रेन रद्द हुई जो मोदी सरकार की असफ्लता को दिखाता है। वरिष्ठ कांग्रेसी रफीक मेमन ने रेलवे स्टेशन में रेलवे के स्टॉपेज को बंद किए जाने का मुखर होकर विरोध किया। युवा कांग्रेस अध्यक्ष हाफिज मेमन ने प्रदेश में 200 से ज्यादा रेल्वे का स्तपेज खतम करने का विरोध किया। जिला प्रवक्ता सौरव मिश्रा ने पूछा कि प्रदेश में यात्रि रेल के मनमानी से परेशान है और केंद्र में सत्ता में रहने वाली भाजपा के प्रदेश के 9 सांसद कहा सो रहे है ? कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष राजेश शर्मा और राजेश साहु ने भी मोदी सरकार पर जम कर निशाना साधा, वही शाहीन अतिदि पाराशर ने भी मोदी की नाकामियों को उजागर किया। आंदोलन में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव नगर पालिका परिषद मनेंद्रगढ़ के अध्यक्ष प्रभा पटेल, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मनेंद्रगढ़ के अध्यक्ष राजेश शर्मा, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मनेंद्रगढ़ ग्रामीण के अध्यक्ष राजेश साहू, जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता सौरव मिश्रा, पप्पू हुसैन, हारून मेमन, नागेंद्र जायसवाल, रफीक मेमन, स्वप्निल सिंह, हाफिज मेमन, गफ्फार मेमन समीना खातून, गुरुदेव पांडे, छोटे लाल वर्मा, सपन महतो, शिव यादव, वेंकटेश सिंह गिरधर जायसवाल, मनोज शर्मा युधिष्ठिर कमरों, शाहीन अदिति पाराशर, राजा पांडे, सिद्धू लाल वर्मा अशोक गुप्ता, अमित सिंह, साबिर अली, पिंटू भास्कर, इमरान खान अमित पुरी, गोपाल गुप्ता, रामावतार सिगरोल, अनिल केरकेटा सहित अन्य उपस्थित रहे।

विशेष पिछड़ी जनजातियों के लिए स्वास्थ्य शिविर का होगा आयोजन-कलेक्टर

जाति,निवास प्रमाण पत्र एवं आरबीसी 6-4 में लापरवाही नहीं की जायेगी बर्दाश्त,काम लापरवाही बरतने पर चार तहसीलदारों को कारण बताओं नोटिस जारी

कलेक्टर ने की विभिन्न विभागों के कार्यो की समीक्षा,समय सीमा के भीतर कार्य करने के दिए निर्देश

चंद्रप्रकाश टोंडे सिमगा /कलेक्टर चंदन कुमार ने आज संयुक्त जिला कार्यालय के सभागार में समय-सीमा के तहत विभागीय कार्यों की कामकाज की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने कसडोल क्षेत्र के ग्राम अवराई,बल्दाकछार सहित अन्य ग्राम पंचायतों में जहां पर विशेष पिछड़ी जनजाति (कमार) के ग्रामीण निवासरत है वहां पर विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजन करने के निर्देश सीएचएमओ डॉ महिस्वर को दिए है। उक्त शिविर में विभिन्न विभागों को भी समन्वय बनाकर कार्य करने कहा है। इसके साथ ही जन चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीणों द्वारा जाति प्रमाण पत्र जारी नहीं करने के शिकायत प्राप्त हुई जिस पर कलेक्टर ने गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए राजस्व अधिकारियों पर नाराजगी जाहिर की एवं ऐसे आवेदनो को समय सीमा के भीतर निराकरण करने कहा गया है। उन्होनें बैठक में आरबीसी 6-4 के प्रकरणों में लेट लतिफी पर भी नाराजगी व्यक्त की। उन्होनें दो टूक कहा कि आरबीसी 6-4 प्रकरणों से संबंधित आवेदन 48 घण्टे के भीतर ही मिलनी चाहिए। इससे आवेदक को शीघ्र आर्थिक मदद मिल सके। कलेक्टर ने आज काम में लापरवाही एवं प्रकरणों का निराकरण समय सीमा के भीतर नहीं करने पर चार तहसीलदारों को कारण बताओं नाटिस जारी करते हुए कार्य में सुधार लाने की हिदायत दी है। चार तहसीलदारों में बलौदाबाजार के तहसीलदार राजू पटेल, भाटापारा तहसीलदार पेखन टोण्डे, लवन तहसीलदार निवेश कोरैटी एवं सण्डी प्रभारी तहसीलदार पंकज बघेल शामिल है। उन्होंने आज बैठक में रीपा,मुख्यमंत्री शहरी स्वास्थ्य स्लम योजना, बेरोजगारी भत्ता, पौनी पसारी, जल जीवन मिशन, श्री धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर,मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लीनिक, सुराजी गांव योजना, गौधन न्याय योजना, राजीव गांधी किसान न्याय योजना एवं उनका विस्तार,मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान, महतारी दुलार योजना,वन अधिकार पत्र वितरण जैसे अन्य योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की है। बैठक में अपर कलेक्टर बी सी एक्का, जिला पंचायत सीईओ नम्रता जैन,सहायक कलेक्टर नम्रता चौबे सभी एसडीएम,जनपद सीईओ,सीएमओ सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी गण उपस्थित रहे।

विश्रामपुर के विद्यालयों द्वारा संयुक्त रूप से निकाली गई मतदाता जागरूकता रैली

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर आगामी विधानसभा निर्वाचन 2023 हेतु समय-समय पर जिले एवं विधानसभा स्तर पर स्वीप कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा हैं। इसी तारतम्य में 13 सितंबर 2023 को एसईसीएल क्षेत्र विश्रामपुर में कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के दिशा निर्देश पर सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचन सहभागिता (स्वीप) कार्यक्रम के तहत मतदाताओं को जागरूक करने एवं शत-प्रतिशत मतदान का लक्ष्य हासिल करने के उद्देश्य से शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य आशीष कुमार भट्टाचार्य एवं शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विश्रामपुर की प्राचार्या श्रीमती सुचित्रा खलको के संयुक्त मार्गदर्शन में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं एवं स्वामी आत्मानंद पब्लिक स्कूल हिंदी माध्यम के छात्रों द्वारा संयुक्त रूप से मतदाता जागरूकता रैली निकल गई। यह रैली विश्रामपुर मुख्य बाजार से होती हुई अंबेडकर चौक पहुंची तथा वहां से भारतीय स्टेट बैंक, डीएवी पब्लिक स्कूल होती हुई मंगतराम पहुंची।

मंगतराम चौक पर मतदाता जागरूकता शपथ का आयोजन किया गया। रैली में शामिल छात्र छात्राओं ने चौंक के चारों ओर सुव्यवस्थित रूप से खड़े होकर शिक्षक शिक्षिकाओं के साथ शपथ ग्रहण किया। छात्र-छात्राओं को शपथ विश्रामपुर संकुल के संकुल समन्वय गौरीशंकर पांडेय ने दिलाया। तत्पश्चात दोनों ही विद्यालय के बच्चे अपने-अपने विद्यालय की ओर रवाना हुए।

कन्या विद्यालय के बच्चों ने मानव श्रृंखला का किया निर्माण- रैली और शपथ ग्रहण कार्यक्रम के समापन के बाद कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्राएं विद्यालय के प्रांगण में पहुंचकर डीपीओ साक्षरता सूरजपुर रोहित सोनी, डीपीओ साक्षरता भैयाथान एवं विधानसभा स्वीप नोडल दिनेश देवांगन,बीपीओ साक्षरता सूरजपुर जयराम प्रसाद एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन में विशाल मानव श्रृंखला बनाकर मतदाता जागरूकता का संदेश देते नजर आए।

एसईसीएल के द्वारा साउंड सिस्टम और बिस्किट पानी की की गई व्यवस्था- एसईसीएल के द्वारा रैली में भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं हेतु बिस्किट और पानी के साथ-साथ साउंड सिस्टम की भी व्यवस्था की गई थी। रैली में एसईसीएल के प्रतिनिधि के रूप में एम एल निराला, प्रबंधक कार्मिक एवं एस एस रात्रे उप प्रबंधक खनन उपस्थित रहे।

यातायात व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सराहनीय योगदान- पुलिस थाना विश्रामपुर से उप निरीक्षक एस आर भगत, प्रधान आरक्षक विकास सिंह, अविनाश सिंह, आरक्षक बिहारी पांडे, ललन सिंह, अजय सिंह और महिला आरक्षक द्रौपदी साहू का ट्रैफिक व्यवस्था बनाए रखने में सराहनीय योगदान रहा।

कार्यक्रम को सफ्ल बनाने में विद्यालय शिक्षक शिक्षिकाओं के अलावा संकुल सामान्य में गौरी शंकर पांडे, पंकज कुमार सिंह, दया सिंधु मिश्रा, नेल्सन बेक अनुरागवेंद्र सिंह बघेल मुन्ना सोनी सुदर्शन दास का सराहनीय योगदान रहा। इस अवसर पर डीपीओ साक्षरता सूरजपुर रोहित सोनी, विधानसभा स्वीप नोडल दिनेश देवांगन, बीपीओ साक्षरता जय राम प्रसाद के साथ शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विश्रामपुर से प्राचार्य आशीष कुमार भट्टाचार्य, अमर कुमार जैन रतिपाल मिश्रा, राजवंत सिंह, केपी सिंह, गौरव कुमार मिश्रा, तिलेश्वर सिंह, अखिलेश यादव, जुगेश साहू, संतोष उपाध्याय, गणेश कश्यप थलेश्वर राजवाड़े, मिनी प्रसन्ना, मिनी पाणिकर शोभना रंजीत, प्रभा मिंज, संगीता, एक्का सुमन गुप्ता, डा. रेखा लाल, नीतू शर्मा, रेणु देवांगन और स्वामी आत्मानंद विद्यालय से प्राचार्य श्रीमती सुचिता खलखो, अरुण कुमार सिंह, सुनील सिंह, ए. कुजूर, मुकेश दुबे, श्रीमती निशा त्रिपाठी, रेशमी साहू, इंदु सिंह, संगीता नन्दी, पंकज आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

मोरक्को में भूकंप ने मचाई भयंकर तबाही, मरने वालों का आंकड़ा 2100 के पार, सैकड़ों घर जमींदोज

मराके, एजेंसी। मोरक्को में आए विनाशकारी भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 21,22 से अधिक हो गई है और कम से कम 2,421 लोग घायल हुए हैं। देश के गृह मंत्रालय ने शनिवार देर रात बताया कि शुक्रवार देर रात आए भूकंप में 21,22 लोगों की मौत हो गई है और मृतक संख्या अभी और बढ़ने की आशंका है, क्योंकि बचावकर्ता सबसे अधिक प्रभावित दूर-दराज के क्षेत्रों में पहुंचने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। स्थानीय निवासियों को आश्रय देने के लिए अस्थायी तंबू लगाए गए। अमीन ने अपना पूरा नाम बताए बिना समाचार एजेंसी को बताया, हमें भोजन और आश्रय की जरूरत है, वे फिलहाल हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, मोरक्को में शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार रात 11:11 बजे 18.5 किमी की गहराई पर भूकंप आया। मोरक्को के आंतरिक मंत्रालय ने अपने नवीनतम अपडेट में कहा कि मरने वालों की संख्या बढ़कर 2,012 हो गई है, जिनमें से 1,293 अल हौज़ में और 452 तरौदंत प्रांत में दर्ज की गई। भूकंप में लगभग 2,059 लोग घायल हो गए, जबकि 1,404 की हालत गंभीर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि मराकेश और उसके बाहरी इलाके में 300,000 से अधिक लोग आपदा से प्रभावित हुए। जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज ने भी 'एक्स पर मोरक्को के प्रति संवेदना व्यक्त की। संयुक्त राष्ट्र के एक प्रवक्ता ने कहा, ''संयुक्त राष्ट्र भूकंप प्रभावित आबादी की मदद के प्रयासों में मोरक्को सरकार की सहायता करने के लिए तैयार है। इजराइल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने मोरक्को में अपने समकक्ष से फोन पर बात की और भूकंप प्रभावित देश को ''हर संभव सहायता मुहैया कराने की इजराइल की इच्छा व्यक्त की। गैलेंट ने इजराइली सेना को मोरक्को को मानवीय सहायता प्रदान करने के लिए तैयार रहने का आदेश दिया। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी मोरक्को में आई प्राकृतिक आपदा पर दुख जताया और कहा कि अमेरिकी अधिकारी मोरक्को के साथ संपर्क में हैं, ताकि मदद की पेशकश की जा सके। इसके अलावा तुर्किये, कतर और अल्जीरिया समेत कई अन्य देशों ने भी मदद की पेशकश की।

जापान में भालू के हमले रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचे

टोक्यो, एजेंसी। स्थानीय मीडिया ने बताया कि इस साल अप्रैल से जुलाई तक पूरे जापान में रिकॉर्ड संख्या में भालू के हमले हुए। सार्वजनिक प्रसारक एनएचके ने जापान के पर्यावरण मंत्रालय का हवाला देते हुए बताया कि देशभर में चोटों के 53 मामले दर्ज किए गए, जिनमें इवाते प्रीफेक्चर में 15, अकिता प्रीफेक्चर में नौ और फुकुशिमा प्रीफेक्चर में सात मामले शामिल हैं, जो वित्तीय वर्ष 2007 में रिकॉर्ड शुरू होने के बाद से एक रिकॉर्ड ऊंचाई है। इसमें कहा गया है कि मई में होक्काइडो के होरोकनाई टाउन में भालू के हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने एनएचके रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि इस शरद ऋतु में भोजन की तलाश में तोहोकू क्षेत्र के आवासीय इलाकों में अधिक भालू दिखाई देने की संभावना है, क्योंकि भालू के आहार में शामिल बलूत के फल इस क्षेत्र में उनके प्राकृतिक आवास में दुर्लभ हैं। मंत्रालय के अधिकारियों ने लोगों से शांत रहने और दूर से भालू का सामना होने पर चुपचाप चले जाने का आह्वान किया, साथ ही लोगों को सलाह दी कि जब वे धीरे-धीरे दूर जा रहे हों तो भालू को देखते रहें और जब पास में भालू दिखे तो भागें नहीं।

किम जोंग-उन ने अर्धसैनिक परेड प्रतिभागियों के साथ किया फोटो सेशन

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत के लिए रूस की संभावित यात्रा की अटकलों के बीच, देश की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ मनाने के लिए अर्धसैनिक परेड के प्रतिभागियों के साथ फोटो सेशन किया। उत्तर की आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के अनुसार, किम ने परेड को शक्तिशाली राष्ट्र के निर्माण के महान उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए समाजवादी कोरिया की अजेय भावना का एक शक्तिशाली प्रदर्शन बताया। उत्तर कोरिया ने अपनी 75वीं स्थापना वर्षगांठ के अवसर पर शनिवार को एक अर्धसैनिक परेड आयोजित की, जिसका नेतृत्व नियमित सैनिकों के बजाय एक नागरिक सुरक्षा संगठन, वर्कर-पीजेंट रेड गार्ड्स ने किया। अटकलें लगाई जा रही हैं कि किम मॉस्को को संभावित हथियारों की आपूर्ति पर चर्चा करने के लिए एक आर्थिक मंच के इतर पुतिन के साथ बातचीत के लिए इस सप्ताह रूस के सुदूर पूर्वी शहर व्लादिवोस्तोक की यात्रा कर सकते हैं। उत्तर कोरिया का सरकारी मीडिया किम की संभावित यात्रा के बारे में चुप है, कुछ मीडिया रिपोर्टों में अनुमान लगाया गया है कि उत्तर कोरिया के नेता रविवार को अपनी स्पेशल ट्रेन में सवार होकर रूस के लिए रवाना हो सकते हैं। जापानी प्रसारक एनएचके ने प्रिमोर्स्की क्राय में एक रूसी अधिकारी के हवाले से रविवार को बताया कि किम की ट्रेन अगले दिन रूस के लिए प्रस्थान कर सकती है।

शराब छोड़ते ही घट जाता है कैंसर वाला प्रोटीन

लंदन , एजेंसी। शराब को सेहत के लिए अच्छा नहीं माना जाता। इससे लीवर डैमेज हो जाता है, ब्लड प्रेशर बढ़ता है और कैंसर जैसी बीमारी होने का खतरा बढ़ जाता है। हम जानते हैं कि शराब न पीने से सेहत को फायदा होता है। लेकिन ये बात सुनते ही मन में कुछ सवाल जरूर आते होंगे जैसे- जब हम शराब पीना बंद कर देते हैं तो हमारे शरीर में क्या होता है...किस तरह के बदलाव आते हैं। इस बारे में बताते हुए रिसर्चर डॉ. केविन मूर ने कहा- शराब का सेवन नहीं करने से ब्लड प्रेशर 6त्न वजन 1.5 किलोग्राम तक कम हो जाता है। इसके अलावा डायबिटीज का खतरा भी 26त्न कम हो जाता है। इससे कॉनसंट्रोशन बढ़ता है और गहरी नींद आती है। लाइव साइंस की रिपोर्ट के मुताबिक, शराब नहीं पीने से कैंसर के लिए जिम्मेदार प्रोटीन- एपिडर्मल ग्रोथ फैक्टर के लेवल 73त्न तक कम हो जाता है। इसके साथ ही वैस्क्युलर एंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर का लेवल 41त्न तक कम हो जाता है। डॉ. केविन मूर ने कहा- हमने 45 साल के 94 लोगों की ड्रिंकिंग हैबिट्स पर स्टडी की। शराब पीने वालों के सेंट्रल नर्वस सिस्टम को शराब की इतनी आदत हो जाती है कि जैसे जब लोग शराब पीना बंद करते हैं तो उनका दिमाग हाइपर एक्टिव हो जाता है। इससे लोगों को एंग्जायटी होती है, नींद नहीं आती, चिड़चिड़ापन और हैल्यूसीनेशन महसूस होता है। इससे मौत का खतरा बढ़ जाता है। मेडिकल जर्नल द लैंसेट में पब्लिश रिसर्च के अनुसार बुजुर्गों की तुलना में जवानों का शराब पीना ज्यादा खतरनाक है।

स्पेन में रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आने से चार लोगों की मौत, तीन घायल

मैड्रिड, एजेंसी। स्पेन में रेलवे ट्रैक पार करते समय चार लोग ट्रेन की चपेट में आ गए, जिससे उनकी मौत हो गई। यह दुर्घटना रविवार को बर्सिलोना के पास हुई। राज्य रेल ऑपरेटर रैनफे के मुताबिक, ट्रेन दुर्घटना रात के आठ बजकर 22 मिनट पर हुई। कैटलन की राजधानी के पास मोंटमेलो में सात लोग रेलवे ट्रैक को पार करने की कोशिश कर रहे थी। इसी दौरान चार लोग ट्रेन की चपेट में आ गए। इससे तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।

कनाडा में हुआ खालिस्तान जनमत संग्रह, बड़ी संख्या में पहुंचे सिख

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा में खालिस्तान जनमत संग्रह कार्यक्रम में सिख बड़ी संख्या में पहुंचे, ठीक उसी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में अपने समकक्ष जस्टिन ट्रूडो को उत्तरी अमेरिकी राष्ट्र में जारी भारत विरोधी गतिविधियों के बारे में नई दिल्ली की कड़ी चिंताओं से अवगत कराया। भारत में सिखों के लिए एक अलग मातृभूमि, खालिस्तान के समर्थन पर वोट रविवार को ब्रिटिश कोलंबियन प्रांत सरे में गुरु नानक सिख गुरुद्वारे में आयोजित किया गया था, जहां इसके पूर्व अध्यक्ष हरदीप सिंह निज्जर की जून में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

ग्लोबल न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, जनमत संग्रह का आयोजन करने वाले प्रतिबंधित खालिस्तान समर्थक समूह सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) ने कहा कि इस कार्यक्रम में 100,000 से अधिक लोग शामिल हुए। सिख फॉर जस्टिस के निदेशक जतिंदर ग्रेवाल ने वैंकूवर स्थित समाचार चैनल को बताया, मतदान हमें और व्यापक समुदाय को बताता है कि खालिस्तान का मुद्दा लोगों के एक सीमांत समूह के लिए मुद्दा नहीं है, बल्कि... यह एक गहरी जड़ वाला मुद्दा है जो कई सिखों के दिल और दिमाग को छूता है।

मतदान सरे के एक स्कूल में होना था, लेकिन संबंधित निवासियों द्वारा पोस्टर पर हथियारों की तस्वीरें स्कूल अधिकारियों के ध्यान में लाए जाने के बाद इसे रद्द कर दिया गया। कड़े शब्दों में निंदा करते हुए मोदी ने शनिवार को ट्रूडो से कहा कि चरमपंथी तत्व अलगाववाद को बढ़ावा दे रहे हैं और भारतीय राजनयिकों के खिलाफ हिंसा भड़का रहे हैं, राजनयिक परिसरों को नुकसान पहुंचा रहे हैं और कनाडा में समुदाय और उनके पूजा स्थलों को धमकी दे रहे हैं।

विदेश मंत्रालय के एक बयान में प्रधानमंत्री मोदी के हवाले से कहा गया, संगठित अपराध, ड्रग सिंडिकेट और मानव तस्करी के साथ ऐसी ताकतों का गठजोड़ कनाडा के लिए भी चिंता का विषय होना चाहिए। ऐसे खतरों से निपटने के लिए दोनों देशों का सहयोग करना जरूरी है।

अपने भारतीय समकक्ष से मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत में ट्रूडो ने कहा कि कुछ लोगों की हरकतें पूरे समुदाय या कनाडा का प्रतिनिधित्व नहीं करतीं। उन्होंने खालिस्तानी उग्रवाद पर एक सवाल के जवाब में कहा, कनाडा हमेशा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, अंतरात्मा की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण विरोध की स्वतंत्रता की रक्षा करेगा और यह हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है। साथ ही हम हिंसा को रोकने और नफरत को पीछे धकेलने के लिए हमेशा मौजूद हैं। ट्रूडो के 9-10 सितंबर के शिखर सम्मेलन के लिए भारत रवाना होने से कुछ ही दिन पहले, सरे में श्री माता भामेश्वरी दुर्गा मंदिर में भारत विरोधी और खालिस्तान समर्थक नारों के साथ तोड़फोड़ की गई थी। नई दिल्ली में कड़ा विरोध दर्ज कराने के बावजूद, कनाडा में खालिस्तानी समर्थक भित्तिचित्रों और पोस्टरों के साथ देश भर में भारतीय राजनयिकों और मंदिरों को निशाना बनाकर भारत विरोधी अभियान जारी है। टोरंटो में भारतीय वाणिज्य दूतावास के बाहर खालिस्तानी तत्वों द्वारा किल इंडिया पोस्टर प्रदर्शित करने की घटनाओं के बाद विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा था कि कनाडा स्पष्ट रूप से वोटबैंक की राजनीति से प्रेरित होकर इन विरोध प्रदर्शनों की अनुमति दे रहा है।

भूलना कोई बीमारी नहीं, सामान्य बात है

लंदन, एजेंसी। अक्सर जब हमसे अचानक कहीं कोई परिचित मिलता है, तब उसका चेहरा तो याद रहता है, मगर नाम याद नहीं आता। कई बार सामान रखकर भूल जाते हैं, कहां रखा था, जरूरत के समय ये याद नहीं आता। खूब पढ़कर जाते हैं, लेकिन परीक्षा केंद्र में सवाल का जवाब याद नहीं आता... ऐसे में उलझन होती है और हम सोचते हैं कि कहीं भूलने की बीमारी या डिमेंशिया तो नहीं हो गया। लोग आत्मविश्वास खोने लगते हैं। हालांकि, कुछ विशेषज्ञ इसे सामान्य बताते हैं। इसलिए घबराएं नहीं, लेकिन याददाश्त मजबूत करने की कोशिश लगातार करते रहें। हर्बर्ट वर्थाइम यूएफ स्क्रिप्स इंस्टीट्यूट फॉर बॉयोमेडिकल इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी में न्यूरोसाइंस के प्रोफेसर डॉ. रोनाल्ड डेविस के अनुसार, हम रोज कई चीजें देखते, पढ़ते व सुनते हैं। ऐसे में मस्तिष्क जानकारियों से भर जाता है और वह यादों को नियंत्रित करने लगता है। भूलना दिमाग के वर्किंग सिस्टम का हिस्सा है, इसलिए यादों में बदलाव सामान्य है। डेविड गेफेन स्कूल ऑफ मेडिसिन में बिहेवियरल न्यूरोलॉजी डिपार्टमेंट के निदेशक डॉक्टर मारियो मेंडेज के अनुसार, याददाश्त बढ़ाने के लिए नियमित तौर पर कुछ खास तरीके अपनाते रहें।

आतंकवादियों ने सैनिकों के वाहन को फिर बनाया निशाना

पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तान के पेशावर शहर में सुरक्षाबलों के वाहन को निशाना बनाकर बम विस्फोट किया गया, जिसमें एक सुरक्षाकर्मी की मौत हो गई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि सोमवार को वाहन को निशाना बनाकर किए गए बम विस्फोट में चार अर्धसैनिक बल कर्मियों सहित कई अन्य व्यक्ति घायल भी हुए हैं।

जानकारी के मुताबिक, यह हमला अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की राजधानी में वारसाक रोड पर प्राइम हॉस्पिटल के सामने फ्रंटियर कांस्टेबुलरी (एफसी) के कर्मियों पर हुआ। वारसाक के पुलिस अधीक्षक (एसपी) मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक, विस्फोट के कारण एफसी के पांच अधिकारी और तीन नागरिक घायल हो गए हैं।

पुलिस अधिकारी ने कहा कि यह विस्फोट एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) हमला था। खान ने बताया कि मामले में आगे की जांच चल रही है और बम निरोधक इकाई की एक रिपोर्ट विस्फोट की गहन जांच में जुटी हुई है, जिसके बाद स्पष्ट बात सामने आएगी।

हाल ही में, पाकिस्तान प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन द्वारा संचालित आतंकवादी गतिविधियां तेज हुई हैं। पिछले हफ्ते, उत्तर-पश्चिमी खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत के चित्राल जिले में दो सीमा चौकियों पर तालिबान आतंकवादियों ने हमला किया, जिसमें चार पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और सात अन्य घायल हो गए। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) की स्थापना 2007 में कई आतंकवादी संगठनों के एक समूह के रूप में की गई थी। यह समूह अल-कायदा का काफी करीबी माना जाता है और अब तक इसने पाकिस्तान में कई घातक हमलों को अंजाम दिया है।

पीओके में लग रहे नारे, पाकिस्तान के कब्जे से आजादी दिलाओ मोदी

भीषण महंगाई से त्रस्त जनता का हल्लाबोल

मुज्जफराबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में बसे लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उन्हें पाकिस्तान से आजादी दिलाने की मांग की है। पीओके में में इन दिनों जमकर पाकिस्तान विरोधी प्रदर्शन हो रहे हैं। आसमान छूती महंगाई,भोजन की कमी और अत्यधिक कर लगाने के खिलाफ पीओके के शहरों, कस्बों और गांवों में लोग सड़कों पर उतर आए हैं।

कश्मीरी एक्टिविस्ट शब्बीर चौधरी ने आम जनता की चिंताओं को व्यक्त करते हुए क्षेत्र में बड़े पैमाने पर हुए विरोध प्रदर्शन के लिए पाकिस्तान को दोषी ठहराया है। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए एक नए वीडियो में चौधरी ने खुलासा किया कि पीओके में लोग महंगाई, बिजली कटौती, खाद्य असुरक्षा और

कई अन्य चिंताओं के बीच अनुचित कर लगाने से जूझ रहे हैं। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि पीओके के लोग पाकिस्तान के अवैध कब्जे से मुक्ति के लिए पीएम नरेंद्र मोदी से मदद मांग रहे हैं। पीओके में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास रहने वाले लोगों को नारे लगाते सुना गया है कि भारत के प्रधानमंत्री मोदी से कहो हमें पाकिस्तान के अवैध कब्जे से आजादी दिलाओ। हमारी आत्माओं को बचाओ, हम भूख से मर रहे हैं, कृपया यहां आओ और हमारी मदद करो। पाकिस्तान भी इस बात से परेशान है। पीओ के लोगों का कहना है कि पाकिस्तान की सरकार कब्जे वाले कश्मीर और गिलगित बाल्टिस्तान के निवासियों के साथ लगातार दोयम दर्जे के नागरिक जैसा व्यवहार कर रही है। नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान में बिजली की कीमत पिछले तीन महीनों में दोगुनी हो गई है, जिसके परिणामस्वरूप व्यापक गुस्सा और विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। पीओके में गेहूं के आटे और अन्य जरूरतों पर लगने वाले भारी टैक्स से भी लोग परेशान हैं। पीओके के लोग पिछले कई दशकों से पाकिस्तान के कुशासन से त्रस्त हैं।

'उम्मीद है अब आएंगे रूसी और चीनी राष्ट्रपति- ब्राजील के राष्ट्रपति सिल्वा

ब्रासीलिया , एजेंसी। भारत के बाद अब ब्राजील को जी-20 समूह की अध्यक्षता सौंपी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा को जी-20 समूह की अध्यक्षता सौंप दी। अध्यक्षता मिलने के बाद सिल्वा ने कहा कि अगले साल जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करना ब्राजील के लिए बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। साथ ही उन्होंने इस साल के सफल सम्मेलन के लिए भारत को बधाई दी।

ब्राजील के राष्ट्रपति सिल्वा ने कहा कि मैं शिखर सम्मेलन को अच्छे ढंग से आयोजित करने के लिए भारत को बधाई देना चाहता हूं। हमें भारतीय लोगों से बहुत प्यार मिला है। अब हमारे पास जी-20 की मेजबानी करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि हम बड़ी संख्या में कार्यक्रम आयोजित करने के लिए ब्राजील के कई शहरों का उपयोग करना चाहते हैं।

सिल्वा ने इस दौरान भारत में हुए जी-20 सम्मेलन में रूसी राष्ट्रपति और चीनी राष्ट्रपति के शामिल नहीं होने पर भी बात की। उन्होंने कहा कि मुझे इसका कारण नहीं पता कि व्लादिमीर पुतिन और शी जिनपिंग ने यहां भाग क्यों नहीं लिया, लेकिन मैं उन्हें आमंत्रित करूंगा। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि वे ब्राजील आएंगे और शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। ब्राजील के राष्ट्रपति ने आशा जताई कि जब वह शिखर सम्मेलन शुरू करेंगे, तो युद्ध समाप्त हो चुका होगा और सब सामान्य स्थिति में वापस आ जाएंगे।

सिल्वा ने आगे कहा कि हम शिखर सम्मेलन के दौरान असमानता के मुद्दे को मुख्य रूप से रखेंगे। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही एक अन्य मुद्दा जिस पर हम चर्चा करने जा रहे हैं वह है ऊर्जा परिवर्तन। स्वच्छ ऊर्जा के उत्पादन में ब्राजील में असाधारण क्षमता है। उन्होंने कहा कि ब्राजील में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में बहुपक्षीय संस्थानों के सुधार पर चर्चा करेंगे। साथ ही संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता पर भी बात करेंगे।

गौरतलब है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा को जी-20 समूह की अध्यक्षता सौंप दी। इस दौरान उन्होंने सिल्वा को पारंपरिक गैवल (एक प्रकार का हथौड़ा) सौंपा था। वहीं, मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने नई वैश्विक संरचना में दुनिया की नई हकीकत को प्रतिबिंबित करने का आह्वान किया और संयुक्त राष्ट्र जैसे वैश्विक निकायों में सुधार की मांग की।

ग्रीस ने की बाढ़ राहत पैकेज की घोषणा, मरने वालों की संख्या हुई 15

एथेंस, एजेंसी। राष्ट्रीय प्रसारक ईआरटी ने बताया, ग्रीस के प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोटाकिस ने बाढ़ पीड़ितों के लिए पहले राहत पैकेज की घोषणा की है। बाढ़ के चलते अब तक 15 लोगों की मौत हो चुकी है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने तीन दिनों के भीतर बाढ़ प्रभावित थिसली क्षेत्र की अपनी दूसरी यात्रा के दौरान रविवार को मित्सोटाकिस के हवाले से कहा, राज्य बिना किसी देरी के लोगों की मदद के लिए खड़ा है। घरों और व्यवसायों के समर्थन के लिए प्रक्रियाएं सोमवार से शुरू होंगी और जिन लोगों के बाढ़ से घर, फार्म और खेत प्रभावित हुए है, उन्हें तत्काल जरूरतों को पूरा करने के लिए वित्तीय सहायता दी जाएगी । उन्होंने कहा कि उनकी संपत्तियों को बहाल करने और

नष्ट हुए बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण के लिए आगे मुआवजा और फंडिंग की जाएगी। डैनियल नामक तूफान ने 4 सितंबर से शुरू होकर दो दिनों तक ग्रीस में तबाही मचाई। 7 सितंबर की शाम को बाढ़ का पानी घटने लगा। ग्रीक राष्ट्रीय समाचार एजेंसी एएमएनए ने रविवार को बताया कि कुछ क्षेत्रों के पूरे गांवों तक केवल नावों और हेलीकॉप्टरों द्वारा ही पहुंचा जा सकता है, और दर्जनों लोगों को ड्रोन द्वारा भोजन, पानी और दवाएं दी गई।

पाकिस्तान में ईशनिंदा के आरोप में ईसाई दंपति गिरफ्तार

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के लाहौर में एक सड़क और एक घर की छत से 'कुरान के फटे पन्ने मिलने के बाद एक ईसाई दंपति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने दंपति शौकत मसीह और किरण मसीह के खिलाफ पाकिस्तान दंड संहिता (पीपीपी) की धारा 295-बी के तहत मामला दर्ज किया है। इस धारा में पवित्र पुस्तक की बेअदबी करने पर उम्रकैद तक की सजा का प्रावधान है। दंपति लाहौर के हरबंसपुरा इलाके में रेंजर्स हेडक्वार्टर्स के डॉकेज टाउन में रहता है। इसी इलाके के मुस्लिम शख्स मोहम्मद तैमूर की शिकायत पर दंपति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

प्राथमिकी के मुताबिक, तैमूर ने कहा कि वह शुक्रवार को डॉकेज टाउन स्ट्रीट पर स्थित खाने की एक दुकान पर खड़ा था, जब उसे वहां मुस्लिमों की पवित्र पुस्तक के कुछ पन्ने मिले। प्राथमिकी में कहा गया है, ऐसा लगा कि पन्ने उस घर की छत से फेंके गए थे, जिसके नीचे वे पाए गए थे। मैंने दरवाजा खटखटाया तो किरण मसीह नाम की महिला ने दरवाजा खोला। मैंने उसे कुरान के फटे हुए पन्ने दिखाए। उसने जवाब दिया कि उसकी नाबालिग बेटियों - सुंदास और रूबी, और बेटे साबिर - ने पन्ने फेंके होंगे। तैमूर घर की छत पर गया और उसे एक गुलाबी रंग का बैग मिला, जिसमें कुरान के और भी पन्ने थे।

इसके बाद शिकायतकर्ता ने आपातकालीन नंबर पर पुलिस को सूचित किया, जिसके बाद उत्तरी छावनी थाने की पुलिस पहुंची और संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारी महमूद अहमद ने रविवार को बताया कि पुलिस ने ईसाई दंपति के खिलाफ ईशनिंदा का मामला दर्ज किया है, क्योंकि उनके घर और सड़क से कुरान के फटे पन्ने मिले हैं। उन्होंने कहा, दंपति के तीन बच्चों पर भी मामला दर्ज किया जा सकता था, क्योंकि उनकी मां ने आरोप लगाया था कि उन्होंने पन्ने सड़क पर फेंके होंगे। हालांकि, सिर्फ किरण और उसके पति पर पीपीसी की धारा 295 बी के तहत मामला दर्ज किया गया है । पुलिस सूत्रें ने बताया कि शुक्रवार आधी रात को जब शिकायतकर्ता ने किरण पर ईशनिंदा का आरोप लगाया, तो शौकत मसीह घर पर नहीं था। उन्होंने कहा कि जब शिकायतकर्ता तैमूर ने ईसाई परिवार पर आरोप लगाया तो इलाके के लोग वहां जमा हो गए और पुलिस को बुलाया गया, जिसने स्थिति को नियंत्रित किया और फौरन किरण को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि शौकत मसीह को बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। पिछले महीने, कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी, तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) के नेतृत्व में छह हजार से अधिक की भीड़ ने फैसलाबाद जिले के जड़ानवाला शहर में ईशनिंदा के आरोप पर कई गिरजाघरों और ईसाइयों के घरों पर हमला किया था।

इंजन में आग लगने से विमान के केबिन में भरा धुआं, 9 यात्रियों की बिगड़ी तबीयत

बीजिंग, एजेंसी। चीन की विमानन कंपनी 'एअर चाइना के एक विमान के इंजन में आग लगने के बाद उसके केबिन में धुआं भरने से नौ यात्रियों की तबीयत बिगड़ गई। अधिकारियों ने विमान को सिंगापुर के चांगी हवाई अड्डे पर आपात स्थिति में उतारकर खाली कराया। चांगी हवाई अड्डे के अधिकारियों ने फेसबुक पर साझा की गई एक पोस्ट में बताया कि एअर चाइना के एअरबस-ए320 विमान में कुल 146 यात्री और चालक दल के नौ सदस्य सवार थे। उन्होंने बताया कि यह विमान चीन के शिचुआन प्रांत के चेंगदु शहर से आ रहा था और इसे रविवार शाम लगभग 4.15 बजे चांगी हवाई अड्डे पर आपात स्थिति में उतारा गया। सवार नौ यात्रियों को केबिन में धुआं भरने से सांस लेने में तकलीफ होने और निकासी के दौरान मामूली खरोंच आने की खबर है।

सार-समाचार

भैंसाकन्हार (क) के 93 वर्ष के शेरसिंह हिड़को ने मतदाता सूची में अपना नाम पहली बार जुड़वाया

अशोक जैन की क़लम से

कांकेर। मतदाता सूची के द्वितीय विषेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान जिले के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र भानुप्रतापपुर के मतदान केंद्र क्रमांक 93 भैंसाकन्हार (क) निवासी 93 वर्षीय बुजर्ग शेरसिंह हिड़को पिता समारू राम हिड़को ने मतदाता सूची में अपना नाम पहली बार जुड़वाया है। शेरसिंह हिड़को ने बताया कि बीएलओ राजेन्द्र कोसमा शिक्षक भैंसाकन्हार ने जब घर-घर सर्वे किया और उसने पूछा तो उन्हें जानकारी देते हुए बताया कि आज तक किसी भी विधानसभा और लोकसभा के चुनाव में उसने मतदान किया ही नहीं है। बीएलओ द्वारा उन्हें मतदान के महत्व को समझाते हुए मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित किया गया। इसके लिए वे उनके घर भी बार-बार आते थे और उन्हें तथा उनके पुत्र रामसाय हिड़को को भी मतदान के महत्व के बारे में समझाया। मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए आधार कार्ड, फोटो इत्यादि उपलब्ध कराने पर शेरसिंह हिड़को का नाम मतदाता सूची में पहली बार जोड़ा गया, साथ ही उन्हें इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव में मतदान करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। मतदाता सूची में नाम जुड़ने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शेरसिंह ने कहा कि इस बार वह भी मतदान करेगा और विधानसभा के चुनाव में अपने पसंद के उम्मीदवार को वोट देगा। गौरतलब है कि कलेक्टर डॉ. प्रियंका शुक्ला के मार्गदर्षन में जिले में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत् सभी पात्र व्यक्तियों को मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने की अपील की गई तथा मृत एवं स्थाई रूप से स्थानांतरित व्यक्तियों का नाम मतदाता सूची से विलोपित करवाने के लिए भी समझाईष दी गई।

जिले के प्रगतिशील किसानों को प्रदान किया गया मत्स्य बीज

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल एवं जिला पंचायत सीईओ सुश्री लीना कोसम के निर्देशानुसार उपसंचालक कृषि सह परियोजना प्रबंधक श्री प्रदीप एक्का, सहायक संचालक (मत्स्य) श्री एम. एस.सोनवानी, सहायक संचालक श्री आर.एल.भारिया (सहायक संचालक कृषि),तकनीकी विशेषज्ञ श्री शैलेंद्र जायसवाल एवं परियोजना अधिकारी श्री संदीप कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन में 12 सितंबर को बसदेई के शासकीय मत्स्यबीज केंद्र में आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना डब्लूडीसी 2.0 भैयाथान प्रतापपुर अंतर्गत मत्स्य पालन कार्य हेतु, मत्स्य विभाग के साथ अभिसरण में चिन्हांकित डबरियों के प्रगतिशील कृषकों में से श्याम नगर के 2 किसान, करसू के 3 किसान, कोरंधा के 4 किसानों को फिंगरलिंग (मत्स्य बीज) प्रति डबरी अनुमानित 3500-4000 कतला, रोहू, मृगल प्रजाति, आइस बॉक्स प्रदान किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित हितग्राहियों को विस्तृत जानकारी मत्स्यपालन से होने वाले लाभ की जानकारी दी गई। सहायक मत्स्य अधिकारी श्री सुधाकर बिसेन के द्वारा मछली पालन से होने वाले लाभ, तकनीकी विशेषज्ञ श्री शैलेंद्र जायसवाल सर के द्वारा जलग्रहण क्षेत्र के जलस्त्रोतों में मत्स्यपालन को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया गया। परियोजना अधिकारी श्री संदीप सिन्हा सर के द्वारा किसानों को कृषि के साथ साथ पशुपालन, मत्स्यपालन, मशरूम उत्पादन, बत्तख् पालन कर अच्छा लाभ प्राप्त किया जा सकता है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से विवेक गुप्ता जलग्रहण विकास दल सदस्य आजीविका, रामस्वरूप सिंह, सरपंच श्याम नगर ताराचंद ,जलग्रहण ग्राम के लाभार्थी किसान उपस्थित रहे।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर छत्तीसगढ़ राज्य में संचालित समस्त शासकीय, अशासकीय महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, पालीटेक्निक एवं आई.टी.आई. आदि के संस्था प्रमुख, प्राचार्य, छात्रवृत्ति प्रभारी एवं उनमें अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों जो विभाग द्वारा संचालित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की पात्रता रखते है, उनको सुचित किया जाता है कि शिक्षा सत्र 2023-24 हेतु ऑनलाइन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (कक्षा 12वीं से उच्चतर) के पंजीयन स्वीकृति एवं वितरण का कार्य httpÑ//postmatric-scholarship.cg.nic.in/ वेबसाइट पर ऑनलाइन की जा रही है।

ट्रेनों को रद्द किए जाने के विरोध में कांग्रेस का रेल रुको आंदोलन पटरी पर कांग्रेस नारेबाजी कर कांग्रेसियों ने किया गुस्से का इजहार

केन्द्र सरकार के द्वारा रेल रद्द करने पर रेल रोको आंदोलन जिला कांग्रेस ने किया

जिला कांग्रेस अध्यक्ष अवधेश गौतम के नेतृत्व में रेल रोको आंदोलन हुआ

दंतेवाड़ा (भारत भास्कर) आज केंद्र की नरेंद्र मोदी की सरकार देश की सबसे विश्वसनीय यात्री सेवा रेलवे सुविधा को समाप्त करने का साजिश रच रही है वर्षों से भारतीय रेलवे आम जनता का भरोसेमंद, रास्ता और सुलभ परिवहन का पर्याय हुआ करता था जिससे मोदी राज में रेलवे की विश्वसनीयता को खत्म करके निजी हाथों में बेचने का षड्यंत्र रचा जा रहा है। बिना कोई कारण बताए बिना कोई ठोस वजह के यात्री ट्रेनों को अचानक रद्द किया जाता हैं। विगत साढ़े तीन सालो में 67382 ट्रेनों को केन्द्र सरकार द्वारा रद्द किया गया है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष अवधेश गौतम, की अगुवाई में दर्जनों प्रदर्शनकारियों ने दंतेवाड़ा रेलवे स्टेशन में सुबह अप और डाउन दोनों लाइन पर मालगाड़ियों को रोका गया, पटरी में लेटकर रेलवे और केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए रेलवे को लेकर केंद्र सरकार की नीतियों का विरोध किया।

जिसके विरोध में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार आज रेल रोको आंदोलन कर स्टेशन मास्टर को जिला अध्यक्ष अवधेश गौतम एवं विधायक श्रीमती देवती कर्मा जी , पीसीसी सयुक्त महासचिव छविंद्र कर्मा जी ने रेलमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

आंदोलन में , पीसीसी महासचिव पूजा साव,पीसीसी सदस्य एवं जिला महामंत्री सलीम रजा उस्मानी,प्रदेश सचिव पुष्पा नाग, मुकेश कर्मा,प्रदेश महिला कांग्रेस उपाध्यक्ष सुलोचना कर्मा, जिला महामंत्री प्रशासन रितेश जैन, जिला महामंत्री मनीष भट्टाचार्य, जिला महामंत्री विमल सलाम, जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती इंद्रा शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष कमलोचंद सेठिया, अमूलकर नाग, विवेक देवांगन, गंगू कश्यप, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष गणेश दूर्गा, किरण जयसवाल,अजय मरकाम आशिफ रजा, आकाश विश्वास,रजत दहिया,एनएसयूआई जिला अध्यक्ष राकेश मंडावी, रामनाथ राठौर, लकमू राम, गीतांजलि कुशवाहा, इंदिरा ठाकुर, बुधनी बघेल, जितेंद्र कश्यप, कमलु अतरा, लच्छू मंडावी, एवं सैकड़ों कार्यकर्त्ता उपस्थित थे।

दंतेश्वरी पीजी कॉलेज दन्तेवाड़ा में किया गया उद्यमिता जागरूकता शिविर का आयोजन

दन्तेवाड़ा (भारत भास्कर)13 सितंबर 2023। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र दन्तेवाड़ा के तत्वाधान में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं जिले में उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए 13 सितंबर 2023 को दंतेश्वरी पीजी कॉलेज दन्तेवाड़ा में उद्यमिता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि दन्तेश्वरी पी जी कॉलेज के प्राचार्य जै.आर. के. हिरकन एवं श्रीमती शीखा सिंह यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया दंतेवाड़ा द्वारा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना के सफ्लता में बैंकों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हितग्राही परियोजना का सम्पूर्ण ज्ञान और सकारात्मक सोच के साथ व्यवसाय स्थापना के लिए बैंक से संपर्क करते हैं तो उनको बैंक निश्चित रूप से वित्तीय सहयोग देने को तैयार रहता है। महाप्रबंधक श्री फिलिप तिग्गा द्वारा योजना में शासन द्वारा दिये जाने वाले सब्सिडी, मार्जिनमनी अनुदान के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए बताया कि सभी वर्ग के हितग्राही को 25 से 35 प्रतिशत तक वित्तीय सहायता विभाग द्वारा दिये जाने का प्रावधान हैं। सभी श्रेणी के लाभार्थियों के मामले में परियोजना लागत का 10 प्रतिशत एवं 5 प्रतिशत अंशदान लाभार्थियों को वहन करना होगा। शिविर में उद्योग विभाग के श्री महेश कुमार किरणापुरे (सहायक प्रबंधक) ने योजना के माध्यम से स्वरोजगार से जुड़कर बेहतर भविष्य निर्माण करने एवं आत्मनिर्भर बनने के लिए अधिक से अधिक संख्या में स्वयं के द्वारा (ऑनलाइन आवेदन) व कार्यालय के माध्यम से भी स्वरोजगार स्थापना करने हेतु आवेदन करने हेतु प्रेरित किया गया। शिविर में प्रशिक्षण संस्थान के विभिन्न व्यवसायों में प्रशिक्षण ले रहे प्रशिक्षणार्थी और जिले के युवाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

बस्तर संभाग के डीएम एफमद सै अतिथि शिक्षकों ने अपनी सेवा सुरक्षा और सेवा बहाली के लिये शिक्षा मंत्री श्री रविन्द्र चौबे को सौंपा ज्ञापन

अशोक जैन संभागी ब्यूरो

कांकेर। बस्तर संभाग में शिक्षकों की कमी को देखते हुये शिक्षा सत्र 2014 में डीएम एफ मद से अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति किया गया था। बस्तर संभाग के अलग अलग जिले में अतिथि शिक्षक को अलग अलग नाम जैसे कांकेर ,दंतेवाड़ा और नारायण पुर में अतिथि शिक्षक , सुकमा जिले में ट्यूटर शिक्षक ,बस्तर जिले में शिक्षण सेवक के नाम से जाना जाता है। अतिथि शिक्षक अपनी पूरी निष्ठा और तत्परता के साथ बस्तर संभाग के बीहड़, एवं सुदूरवर्ती इलाको में अपनी शिक्षा दे रहे थे । छस्न्न अतिथि शिक्षक हिंदी के अलावा गोंडी ,हल्बी ,भतरी ,माड़िया और लोकल भाषा बोली में पढ़ाते थे जिसके कारण बच्चे पढ़ाई में काफी रुचि लेते हैं और यह यह विधि बच्चों की पढ़ाई में काफी मददगार साबित हुई है। छस्न्न अतिथि शिक्षकों ने पुराने बंद पड़े स्कूलों को खोलकर शिक्षा का अलग जगाया हैं और आज जब सही व्यवस्था में पढ़ाई हो रही हैं तो राज्य सरकार ने इन छस्न्न अतिथि शिक्षको के स्थान पर सीधी भर्ती द्वारा चयनित शिक्षकों को भेज रहे हैं जिससे संभाग के लगभग 700 छस्न्न अतिथि शिक्षकों की छटनीं हो चुकी हैं और कई शिक्षकों के स्थान पर नियमित शिक्षक आने वाले हैं ।अभी छस्न्न अतिथि शिक्षक पूर्ण रूप से बेरोजगार हो रहे हैं और हर जिले के कलेक्टर ने छस्न्न अतिथि शिक्षक को हटाने का अल्टीमेटम दे दिया है ।बस्तर संभाग के अतिथि शिक्षकों ने अपनी सेवा बहाली और सेवा सुरक्षा के लिये शिक्षा मंत्री को ज्ञापन सौपे हैं और शिक्षा मंत्री ने भी जल्दी कार्यवाही करने का आश्वासन दिया है।

एसडीएम ने किया मदिरा दुकान का औचक निरीक्षण

अशोक जैन की कलम से

कांकेर। -निर्वाचन आयोग के द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत जिले में स्थित मदिरा दुकानों का औचक निरीक्षण किया जा रहा है। इसी कड़ी में भानुप्रतापपुर के अनुविभागीय दण्डाधिकारी प्रतीक जैन द्वारा शासकीय अंग्रेजी एवं देषी शराब की दुकान भानुप्रतापपुर का जांच किया गया। उनके द्वारा मदिरा दुकान के स्टॉक रजिस्टर, सेल्स रजिस्टर, नौकरनामा की जांच की गई। निर्वाचन को लेकर सावधानी बरतने की हिदायत दी गई एवं निर्वाचन संबंधी नियमों के उल्लंघन के प्रावधानों से अवगत कराया गया।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जीवनदीप समिति की कार्यकारिणी समिति की बैठक संपन्न

अधिक से अधिक कार्ड ब्लॉकिंग करने के दिए निर्देश- नंदनवार

दंतेवाड़ा (भारत भास्कर)13 सितंबर 2023। कलेक्टर विनीत नंदनवार की अध्यक्षता में आज जिला चिकित्सालय में जीवनदीप समिति की कार्यकारिणी समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विभिन्न एजेंडा अनुसार बिंदुवार किया गया चर्चा। जीवनदीप समिति की बैठक में जिले के अनेक स्वास्थ्य सेवाओं में वृद्धि, भौतिक संसाधनों की उपलब्धता एवं सुधार तथा आवश्यक मानव संसाधनों की व्यवस्थाओं आदि महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक की गयी चर्चा। कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय की दैनिक व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिसमें टॉयलेट, बिजली, पानी आदि व्यवस्थाओं को सर्वप्रथम प्राथमिकता देने की बात कही। इसके साथ ही कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय के मूलभूत आवश्यकताओं के लिए अधिक से अधिक कार्ड ब्लॉकिंग करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान सीईओ श्री कुमार बिश्वरंजन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजय बसाख, सिविल सर्जन डॉ कपिलदेव कश्यप, डॉक्टर देश दीपक एवं समिति के सदस्य उपस्थित थे।

पाटन क्षेत्र से चुनाव मैं नहीं क्षेत्र की जनता लड़ रही है : विजय बघेल

चिरमिरी भारत भास्कर आगामी विधानसभा चुनाव में पाटन क्षेत्र से मुझे भाजपा का प्रत्याशी बनाया गया है यह चुनाव मैं नहीं पाटन क्षेत्र की जनता लड़ रही है वहां के रहवासी लड़ रहे हैं। आने वाला आगामी सत्र का चुनाव इस राज्य से कांग्रेस की सरकार जो कि भ्रष्टाचार की सरकार है उसे जनता जड़ से उखाड़ कर फेक देगी। उक्त बातें भाजपा के दुर्ग सांसद व घोषणा पत्र समिति के प्रदेश संयोजक विजय बघेल ने श्यामली गेस्ट हाउस में पत्रकारों से चर्चा करने के दौरान कहीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में सभी व्यवस्थाएं आज बंद हो चुकी है जिसका खामियाजा आज यहां के गरीब आदिवासियों को भुगतना पड़ रहा है। एक तरह से अराजकता का माहौल बना हुआ है सभी वर्ग पीड़ित है पूरा छत्तीसगढ़ शराब सट्टा जुआ भ्रष्टाचार के कारण कलंकित हो रहा है विधायक का करतूत भी लोगों से छुपा नहीं है किसी पर आरोप लगाना अपनी गलती को छुपाना इनकी आदत बन गई है ,आजादी के बाद से किसी भी राज्य में हड़ताल से मंत्रालय बंद नहीं हुई कांग्रेस के विरुद्ध आरोप पत्र को लेकर हम जन-जन तक पहुंच रहे हैं

भारतीय जनता पार्टी द्वारा 90 विधानसभा के स्तर में 90 पेटी सुझाव के लिए तैयार किए गए हैं। लोग आशा के साथ हमें सुझाव दे रहे हैं सब की अपेक्षाएं रहती है उसे पर हम खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे अब तक 1 लाख 40 हजार सुझाव आ चुके हैं। प्रदेश की कांग्रेस सरकार कर्ज में डूबी हुई हैं, किसान, भोले भाली जनता जो कि ठगे जा रहे हैं इन पर इतना दबाव बनाया जा रहा है कि एक प्रकार से यहां पर दादागिरी चल रही है खासतौर पर देखा जाए तो किसानों की प्रताड़ित हो रहे हैं। आजादी के बाद प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने किसानों के हित में जय जवान जय किसान का नारा दिया था जिसे अटल जी ने जय विज्ञान का नारा देकर आगे बढ़ाया राज्य के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने महिलाओं से रेडी टू ईट छीनकर उसे भी अपने भ्रष्टाचार का हिस्सा बना लिया।

उन्होंने कहा की जिस तरह राज्य भर में संविदा कर्मचारियों के हक हड़पने का कार्य किया गया है भूपेश बघेल इस तानाशाही राज को जनता जान चुकी है।अब राज्य के कांग्रेस सरकार के लोक लुभावन घोषणा पत्र की कलई खुल चुकी है। इस बार जनता इनके छलावा अभियान का हिस्सा नहीं बनेगी। कांग्रेस के द्वारा रेल रोको आंदोलन के विषय में कहा कि यह उनका अधिकार है कोई मुद्दा नहीं वही चिरमिरी के स्थायित्व के विषय में पूछे जाने पर कहा कि हमारी सरकार ने पहले भी कार्य किया है और आगे भी करते रहेंगे

इस दौरान पूर्व विधायक श्याम बिहारी जायसवाल, पूर्व संसदीय सचिव चंपा देवी पावले,जिला मंत्री राम लखन यादव भाजपा नेता संजय सिंह कीर्ति वासु रावल,निगम नेता प्रतिपक्ष संतोष सिंह, प्रदेश विशेष आमंत्रित सदस्य अरविंद अग्रवाल, राजेन्द्र दास सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

युवक से मोबाइल की लूट

रायपुर। रेलवे स्टेशन एक्सप्रेस वे चुनाभट्ठी के पास अज्ञात युवक ने एक व्यक्ति के जेब से मोबाइल छीनकर भाग निकला। प्रार्थी की शिकायत पर गंज थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफअपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी हेमंत पोयाम 42 वर्ष हाउसिंग बोर्ड कालोनी पिरदा का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी अपने परिचित नर्मदा प्रसाद के साथ रेलवे स्टेशन एक्सप्रेस वे चुनाभट्ठी में गया था, तभी अज्ञात व्यक्ति ने नर्मदा प्रसाद को धक्का देकर उसके शर्ट के जेब में रखे मोबाइल फोन को लेकर भाग गया। छिने गए मोबाइल की कीमत करीब 8 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर गंज थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 356, 379 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

निर्माणाधीन मकान से हजारों रुपए के सामान पार

रायपुर। वीवी विहार कालोनी मोवा स्थित निर्माणाधीन मकान से अज्ञात चोर ने हजारों रुपए के सामान पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर मोवा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी शेख करीब 22 वर्ष वीवी विहार कालोनी मोवा का रहने वाला है। बताया जाता है कि अज्ञात चोर ने प्रार्थी के निर्माणाधीन मकान में प्रवेश कर 7 बंडल तार व हैमर मशीन पार कर दिया। चोरी गए सामानों की कीमत करीब 55 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर मोवा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

पत्नी से मारपीट

रायपुर। बोरियाखुर्द टिकरापारा में घरेलू विवाद को लेकर पति ने पत्नी से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थिया की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया तस्लीमा परविन 38 वर्ष ने थाना में शिकायत किया कि उसका पति आरोपी मोहम्मद हुसैन ने घरेलू विवाद को लेकर प्रार्थिया से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थिया की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

पुरानी रंजिश के चलते अधेड़ से मारपीट

रायपुर। मठपुरैना टिकरापारा में पुरानी रंजिश के चलते दो लोगों ने अधेड़ से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी ठाकुर नायक 56 वर्ष बीएसयूपी कालोनी मठपुरैना का रहने वाला है। बताया जाता है कि आरोपी अनिल तांडी अपने दोस्त के साथ प्रार्थी के पास आया और पुरानी रंजिश के चलते प्रार्थी से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 294, 506, 323, 34 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

मटकी फोड़ के दौरान युवक को पीटा

रायपुर। वाल्मिकी नगर कबीरनगर में मटकी फोड़ के दौरान एक युवक ने दूसरे युवक से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर कबीरनगर पुलिस ने आरोपी के खिलाफअपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी राहुल तांडी 38 वर्ष वाल्मिकी नगर कबीरनगर का रहने वाला है। बताया जाता है कि आरोपी राकेश ने मटकी फोड़ कार्यक्रम के दौरान किसी बात को लेकर प्रार्थी से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर कबीरनगर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 294, 506, 323 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

राज्य कृषि विपणन बोर्ड के नवीन कार्यालय भवन का लोकार्पण

सरदार वल्लभ भाई पटेल के नाम से होगा नया मंडी बोर्ड भवन-मुख्यमंत्री बघेल....

- 40 करोड़ रूपए की लागत से बने भवन में बीज निगम का कार्यालय भी होगा संचालित

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज नवा रायपुर में छत्तीसगढ़ राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड के नवीन कार्यालय भवन का लोकार्पण किया। इस मौके पर उन्होंने इस भवन का नामकरण सरदार वल्लभ भाई पटेल के नाम पर करने की घोषणा की। नवा रायपुर के सेक्टर 24 में 40 करोड़ रूपए की लागत से तैयार किए गए इस भवन में बीज निगम का कार्यालय भी संचालित होगा। लगभग 1 लाख 58 हजार वर्गफीट में बनाए गए इस भवन से कृषि संबंधी विभिन्न गतिविधियों संचालित होंगी जिसका लाभ किसानों को मिलेगा।मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि किसानों की सुविधा के लिए राज्य में मंडी का विस्तार किया जा रहा है। राज्य में लगभग 1.25 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की जानी है। इसको देखते हुए धान संग्रहण केन्द्रों को भी मंडी के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में मिलेट्स की खेती को भी लगातार प्रोत्साहन दिया जा रहा है तथा समर्थन मूल्य पर इसकी खरीदी की जा रही है। राज्य में किसान हितैषी नीतियों के फलस्वरूप बस्तर अंचल में खेती-किसानी के प्रति रूझान बढ़ा है। पहले बस्तर में सब्जी का उत्पादन नहीं के बराबर हो रहा था अब बस्तर में सब्जी उत्पादन का क्षेत्र बढ़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का निरंतर प्रयास रहा है कि किसानों को उनके उपज का सही दाम मिले। वर्तमान में केंद्र सरकार द्वारा केन्द्रीय पूल के लिए चावल खरीदी में की गई कटौती किसानों के प्रति अन्याय है। अब बायोमेट्रिक पद्धति से धान खरीदी का नियम केन्द्र सरकार द्वारा लागू किया जा रहा है। यह किसानों को परेशान करने का नया तरीका है। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा एवं सहकारिता मंत्री श्री रविन्द्र चौबे ने कहा की राज्य में सरकार बनने के साथ ही कृषि के क्षेत्र में लगातार क्रांतिकारी परिवर्तन हो रहा है। राज्य के सरकार अब किसानों से 20 क्विंटल धान की खरीदी करेगी। विगत वर्ष 1 लाख 75 हजार करोड़ रुपए किसानों को उसके उपज के लिए दिया गया। सरकार की किसान हितैषी योजनाओं से किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। कार्यक्रम में श्री ताम्रध्वज साहू ने कहा कि कृषि प्रधान राज्य में किसानों की प्रगति के लिए नए-नए संसाधनों को अपनाया जा रहा है। नए मंडी भवन के बन जाने से अब राज्य के सभी मंडी सदस्यों को काम-काज में आसानी होगी। उन्होंने मंडी समिति के सदस्य द्वारा की गई विभिन्न मांगों को यथाशीघ्र पूरा करने की बात भी कही। समारोह में मुख्यमंत्री के सलाहकार प्रदीप शर्मा, राज्य के सभी मंडी बोर्ड के अध्यक्ष और समिति के सदस्य, कृषि उत्पादन आयुक्त एवं सचिव कमलप्रीत सिंह, प्रबंध संचालक मंडी बोर्ड यशवंत कुमार, आईजी रतन लाल डांगी, प्रबंध संचालक गोधन न्याय मिशन डॉ. अय्याज फक्रीर भाई तंबोली, संचालक कृषि एवं पशुधन श्रीमती चंदन त्रिपाठी, उप सचिव श्रीमती तूलिका प्रजापति सहित बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित थे।

केन्द्र सरकार ने धान उपार्जन के लिए अनिवार्य किया है बायोमेट्रिक सिस्टम

- छत्तीसगढ़ सरकार ने बायोमेट्रिक को लागू न करने का किया आग्रह
- राज्य की विषम भौगोलिक स्थिति के चलते किसानों को होने वाली परेशानी से कराया अवगत

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य की विषम भौगोलिक स्थिति के चलते सुदूर एवं दुर्गम अंचलों के किसानों को बायोमेट्रिक व्यवस्था लागू होने से धान बेचने में होने वाली परेशानी को देखते हुए केन्द्र सरकार से बायोमेट्रिक सिस्टम को इस वर्ष लागू किए जाने का अनुरोध किया है। केन्द्र सरकार ने खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 से खाद्यान्न उपार्जन में बायोमेट्रिक सिस्टम को अनिवार्य कर दिया है। इस सिस्टम को छत्तीसगढ़ राज्य के वनांचल और पहाड़ी क्षेत्रों में सुव्यवस्थित रूप से लागू करने में होने वाली दिक्कत के चलते किसानों को समर्थन मूल्य पर धान और मक्का बेचने में परेशानी होगी। छत्तीसगढ़ शासन के खाद्य विभाग के सचिव टोपेश्वर वर्मा ने भारत सरकार के खाद्य सचिव को पत्र लिखकर छत्तीसगढ़ प्रदेश में बायोमेट्रिक आधारित खरीफप्रणाली को लागू करने के कारण किसानों को होने वाली कठिनाईयों का उल्लेख किया है। उन्होंने कहा है कि राज्य के बस्तर एवं सरगुजा क्षेत्र के दूरस्थ एवं पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण इस इलाके के कई स्थानों पर इंटरनेट कनेक्टिविटी की सुविधा की कमी के चलते बायोमेट्रिक आधारित खाद्यान्न उपार्जन प्रणाली को लागू करने में दिक्कत होगी। खाद्य सचिव श्री वर्मा ने अपने पत्र में इस बात का भी उल्लेख किया है कि छत्तीसगढ़ राज्य में धान खरीदी के पूर्व किसानों का पंजीयन किया जाता है। पंजीयन में किसान का आधार नंबर भी होता है।

जीवनस्तर सुधार कर अपनी किस्मत खुद बदल रही हैं समूह की महिलायें

- शेर ग्राम की सुआ महिला समूह ने तारजाली निर्माण को आजीविका का साधन बनाया

रायपुर। यह एक महिला समूह की उनकी मेहनत और संघर्ष की कहानी है। महासमुंद विकासखंड के ग्रामीण अंचल की महिलाएं स्वसहायता समूह से जुड़कर सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान की मिसाल कायम कर रही है। बिहान योजना से जुड़ी महिलायें विभिन्न आजीविका को अपने रोजगार का साधन बना रही है। ग्राम पंचायत शेर की सुआ महिला स्वसहायता समूह की महिलायें तार जाली का निर्माण कर खेत-खलिहानों व बागड़ काम में आने वाली विभिन्न प्रकार की लोहे के तार की जाली का निर्माण कर रही। बिहान योजना से जुड़ी महिलायें विभिन्न आजीविका को अपने रोजगार का साधन बना रही है। इस समूह के द्वारा अब तक 2000 बंडल तार जाली का निर्माण कर लिया गया है, जिसको सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं में विक्रय कर लगभग 6 लाख रूपए की आय प्राप्त कर चुकी है। समूह की अध्यक्ष श्रीमती दिव्या नायक बताती है कि समूह में जुड़ने से पहले किसी दूसरे के यहां तार जाली बनाने का कार्य करने जाती थी। तक़रीबन दो साल पहले बिहान अंतर्गत समूह से जुड़ने हेतु प्रेरित किया गया और समूह से जुड़ कर महिलाएं कैसे आत्मनिर्भर बन सकती है कैसे खुद का स्वयं व्यवसाय कर सकती है इन सबकी जानकारी मिली। हम सब 11 महिलाएं मिलकर, सुआ महिला स्वसहायता समूह का गठन किया। गठन उपरांत समूह को आरएफकी राशि 15000 रूपये अनुदान के रूप में प्रदाय किया गया साथ ही 2 लाख का ऋण भी समूह को प्रदाय किया गया। अन्य के यहां से तारजाली कार्य सीखने के बाद स्वयं का तार जाली बनाने का काम शुरू किया।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने नई दिल्ली में स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी (एसएमए) से पीड़ित एक बच्चे कनव से मुलाकात की, जिसके परिवार ने क्राउडफंडिंग के माध्यम से उसके इलाज के लिए धन जुटाया था।

छत्तीसगढ़ शिवसेना जिला इकाई उद्धव बालासाहेब ठाकरे ने बाइक रैली निकालकर गैंगरेप के आरोपियों को फांसी देने की मांग की

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ शिवसेना जिला इकाई उद्धव बालासाहेब ठाकरे द्वारा मंदिर हसौद थाना क्षेत्र राखी के दिन 10 लोगों ने मिलकर जो गैंगरेप किया था उसको लेकर शिव सेना ने बाइक रैली निकाल कर सभी दोषियों को फांसी दिलाने के लिए रैली कर कलेक्टर महोदय को ज्ञापन दिया और राज्यपाल को प्रेषित कर मांग किया गया है इनको अगर फांसी होती है तो आने वाले समय में ऐसा कोई दोबारा कृत्य नहीं करेगा पप्पू विश्वकर्मा जिला अध्यक्ष ऑटो सेना के नेतृत्व में किया गया जिसमें उपस्थित प्रदेश सचिन ऑटो सैन सुरेश प्रसाद तिवारी कामगार सेना प्रदेश उपाध्यक्ष बल्लू जांगड़े कामगार सेना जिला अध्यक्ष आनंद तिवारी ऑटो सैन ई रिक्शा जिला अध्यक्ष धनंजय गोयल युवा सेवा शहर अध्यक्ष यश राज ठाकुर महिला सेना जिला अध्यक्ष लक्ष्मीकशयप शिव सेना जिला महासचिव संजय हालदार शिव सेना दक्षिण विधानसभा उपाध्यक्ष दिनेश साहू मोहित सिन्हा हरीश साहू एवं सैकड़ों संख्या में शिव सैनिक उपस्थित थे

नागरिकों की समस्याओं को संवेदनशीलता से सुने और यथासंभव समाधान करने का प्रयास करें: डॉ भुरे

रायपुर। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रास सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक ली। उन्होंने विभिन्न विभाग की योजनाओं के प्रगति की समीक्षा की और आमजनों को योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ देने का निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि शासकीय कार्यालयों में आने वाले नागरिकों की समस्याओं को संवेदनशीलता से सुने और यथासंभव नियमानुसार समाधान करने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी आश्रय योजना के तहत पट्टे वितरण किया जाना है। इस संबंध में सभी अनुविभाग में तैयारी पूर्ण कर ली जाए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को मलेरिया, डेंगू सहित अन्य मौसमी बीमारी से बचाव के लिए आमलोगों को जागरूक करने और दवाईयों के इंतजाम करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि सड़क पर आवारा पशुओं के सड़कों पर विचरण रोकने के लिए निरंतर कार्रवाई करते रहें।

मेहनत करने की आदत बनाये रखें-मुख्यसचिव

- मुख्य सचिव ने ग्रंथालय और युवोदय अकादमी की व्यवस्थाओं की सराहना अध्ययनरत प्रतिभागियों से उनके तैयारियों के सम्बंध में चर्चाकर दी शुभकामनाएं

रायपुर। मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने रविवार की शाम को लाला जगदलपुरिया ग्रन्थालय का अवलोकन करसभी अध्ययन करने वालों के लिए जिलाप्रशासन द्वारा उपलब्ध करवाई व्यवस्थाओं की सराहना की। इस दौरान उन्होंने अध्ययनरतप्रतिभागियों से उनके तैयारियों के सम्बंध में चर्चाकर शुभकामनाएं दीं। इस अवसरपर नव चयनित अधिकारियों से मुलाकात कर उन्हें बधाई भी दी। मुख्य सचिव ने कहा कियुवाओं से मिलने से एक उत्साह की अनुभूति होती है। उन्होंने ई-क्लास मेंपढ़ाई कर रहे बच्चों से संस्थान द्वारा दी सुविधाओं और उनके भविष्य केलक्ष्यों के सम्बन्ध में चर्चा किए। श्री जैन ने परिसर में स्थित युवोदय अकादमी में अध्ययनरत विद्यार्थियों सेमुलाकात किए। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि मेहनत करने कीआदत बनाये रखें। साथ ही जीवन में खेलकूद की गतिविधियों को शामिल कर कोईभी आउटडोर खेल एक घंटा खेले जिससे एकाग्रता बढ़ाने और समझ विकसितकरने में सहायता मिलती है।

किसानों को मजबूत बनाने का भूपेश सरकार ने काम किया-अकबर

रायपुर/ संवाददाता। प्रदेश के वन, परिवहन, आवास, पर्यावरण, विधि विधायी तथा जलवायु परिवर्तन मंत्री व कवर्धा विधायक श्री मोहम्मद अकबर आज अपने एक दिवसीय कबीरधाम प्रवास के दौरान बोड़ला विकासखंड के वनांचल ग्राम सिंघारी और बैजलपुर में आयोजित भेंट मुलाकात कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने ग्रामीणों से चर्चा करते हुए किसानों, ग्रामीणों, भूमिहीन श्रमिक मजदूरों, महिलाओं से सीधा संवाद किया और गांव तथा क्षेत्र विकास की दिशा में ग्रामीणों से सुझाव भी मांगे। उन्होंने राज्य सरकार की फ्लैगशीप योजनाओं का फीडबैक भी लिया। इस असवर पर कृषि उपज मंडी अध्यक्ष श्री नीलकंठ साहू, उपाध्यक्ष श्री चोवाराम साहू, श्री पितांबर वर्मा, जिला पंचायत सदस्य श्री मुखीराम मरकाम, बोड़ला जनपद उपाध्यक्ष श्री सनत जायसवाल सहित क्षेत्रिय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। कैबिनेट मंत्री श्री मोहम्मद अकबर ने कहा कि हमारी सरकार ने पिछले वर्ष सरकार ने 1 करोड़ 10 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की है। इस वर्ष इससे भी ज्यादा धान खरीदी का लक्ष्य रखा गया है। किसानों को उनके उपज का सही दाम दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के हर वर्ग के लिए राशन कार्ड बनाया जा रहा है। सभी को खाद्यान वितरण भी किया जा रहा है। खाद्यान्न प्राप्त करने का अधिकार सभी को है। उन्होंने किसान हितैषी योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने विधानसभा के दौरान धान विक्रय की सीमा प्रति एकड़ 15 क्विंटल से बढ़ाकर 20 क्विंटल करने की घोषणा की है, इसका सीधा लाभ प्रदेश के किसानों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की न्याय योजनाओं ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है और इससे प्रदेश के सभी वर्गों में समृध्दि और खुशहाली आई है। कैबिनेट मंत्री श्री मोहम्मद अकबर ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य में न्याय योजनाओं के माध्यम से किसानों, पशुपालकों और खेतिहर मजदूरों को आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक,संपादक-संदीप तिवारी द्वारा अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग-मोवा रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं छत्तीसगढ़ प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग -मोवा रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित।
(पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) फोन:-9301031000, 0771-6556444 bharatbhaskar222@gmail.com